सतना
31 जुलाई 2025 गुरुवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित


ओवल में अब तक दो
@ पेज 7

# सजग रहें, एहतियात बरतें, वर्षा प्रभावितों के भोजन-पानी, रहवास और दवा सबकी व्यवस्था करें: सीएम



**भोपाल, (एजेंसी)।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जान-माल की सुरक्षा सर्वोपरि है। जलमग्न क्षेत्रों से लोगों को सुरक्षित निकालना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि वर्षा प्रभावित क्षेत्रों में जिला एवं पुलिस प्रशासन सहित होमगार्ड, आपदा प्रबंधन दल सब मिल जुलकर पूरी सजगता और सतर्कता से कार्य करें। राहत एवं बचाव दल पूरी तैयारी से रहें और जरूरमंदों तक तत्काल सभी प्रकार की मदद पहुंचाई जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को होमगार्ड मुख्यालय स्थित आपदा प्रबंधन कक्ष (स्टेट कमांड सेंटर) पहुंचकर प्रदेश के कई जिलों में भारी वर्षा के चलते उत्पन्न परिस्थितियों की जानकारी ली और जन सुरक्षा प्रबंधन के संबंध में अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा की।

समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव गृह श्री जे.एन. कंसोटिया, पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाना, डीजी होमगार्ड प्रज्ञा श्रीवास्तव, एडीजी श्री ए. सांई मनोहर, सचिव एवं आयुक्त जनसम्पर्क डॉ. सुदाम खाड़े सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। बताया गया कि प्रदेश में बीते तीन दिनों से भारी वर्षा हो रही है। भारी वर्षा के चलते प्रदेश के कुछ जिलों में गांव और घरों में पानी भर जाने जैसी उत्पन्न परिस्थितियों में अब तक 2900 से अधिक लोगों को सुरक्षित निकाला गया है। प्रदेश में जहां-जहां अतिवर्षा की सूचना और लोगों के बाढ़ के पानी फंस जाने की जानकारी मिली है, वहां पूरी क्षमता से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आपदा नियंत्रण कक्ष से जिलों में चल रहे राहत एवं बचाव कार्यों का लाइव ऑपरेशन का अवलोकन किया। उन्होंने आपदा बचाव दल में तैनात अधिकारियों से बात की और राहत एवं बचाव कार्यों के बारे में जानकारी ली। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बचाव दल के अधिकारियों से पूछा कि बाढ़ से बचाव में किसी प्रकार के संसाधन की कमी तो नहीं है? अधिकारियों ने बताया कि सभी संसाधन उपलब्ध हैं और प्रशासन के साथ-साथ ग्रामीणों और सिविल सोसाइटी से भी मदद मिल रही है।

## संक्षिप्त समाचार

### कैश कांड-सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस वर्मा को फटकार

**नई दिल्ली, (एजेंसी)।** सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को जस्टिस यशवंत वर्मा की याचिका पर सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया। सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस वर्मा के आचरण पर सवाल उठाए हैं। कोर्ट ने कहा कि उनका व्यवहार भरोसे के लायक नहीं है और पूछा कि अगर उन्हें जांच समिति की प्रक्रिया पर ऐतराज था तो उन्होंने उसी वक्त उसे चुनौती क्यों नहीं दी। बेंच में शामिल जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस ए.जी. मसीह ने कहा कि जस्टिस वर्मा को पहले ही सुप्रीम कोर्ट आना चाहिए था, न कि अब जब जांच समिति ने उन्हें दोषी पाया है। सुनवाई के दौरान जस्टिस वर्मा की ओर से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने दलील दी कि महाभियोग संसद की प्रक्रिया है। मुख्य न्यायाधीश द्वारा महाभियोग की सिफारिश किया जाना गलत है। दरअसल, जस्टिस यशवंत वर्मा की याचिका में इन-हाउस कमेटी की रिपोर्ट और महाभियोग की सिफारिश रद्द करने की अपील की गई है। रिपोर्ट में घर में कैश मिलने के मामले में जस्टिस वर्मा को दोषी ठहराया गया है।

### इसरो-नासा का सबसे महंगा और ताकतवर सैटेलाइट निसार लॉन्च

**श्रीहरिकोटा, (एजेंसी)।** निसार सैटेलाइट श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से जीएसएलवी-एफ16 रॉकेट के जरिए लॉन्च किया गया। अब तक के सबसे महंगे और सबसे पावरफुल अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट निसार को आज यानी, बुधवार 30 जुलाई को लॉन्च किया गया। इस मिशन पर 1.5 बिलियन डॉलर यानी करीब 12,500 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। इसे नासा और इसरो ने मिलकर बनाया है। इसे श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से शाम 5ः40 बजे जीएसएलवी-एफ16 रॉकेट के जरिए लॉन्च किया गया। रॉकेट ने निसार को 747 किलोमीटर की ऊंचाई पर सूरज के साथ तालमेल वाली सन-सिंक्रोनस कक्षा में स्थापित किया। इसमें करीब 18 मिनट लगे।

### बेंगलुरु से 30 साल की शमा परवीन अरेस्ट

**अहमदाबाद, (एजेंसी)।** गुजरात आतंकवाद निरोधक दस्ते एटीएस ने बेंगलुरु के हेब्बल इलाके से शमा परवीन को गिरफ्तार किया है।ﾠ्रङ्गस् ने बुधवार को बताया कि शमा अलकायदा से जुड़े एक अंतरराज्यीय आतंकी मॉड्यूल का हिस्सा है। इसे 29 जुलाई को अरेस्ट किया गया। एटीएस के डीआईजी सुनील जोशी के मुताबिक, 30 साल की परवीन सोशल मीडिया के जरिए अलकायदा से जुड़ी थी। इसे सोशल मीडिया के जरिए युवाओं को भारत विरोधी गतिविधियों में शामिल करने की जिम्मेदारी दी गई थी। फिलहाल उससे पूछताछ की जा रही है, जिससे नेटवर्क के अन्य सदस्यों और उनकी साजिशों का पता चल सके।

# रायपुर में एक साथ बनेंगे 7 ओवरब्रिज

**मोवा-भनपुरी-महादेव घाट जाने वालों के 20 मिनट बचेंगें**

**रायपुर, (एजेंसी)।** रायपुर की 25 लाख से ज्यादा की आबादी के लिए एक बड़ी राहत की खबर है। शहर में पहली बार एक साथ 7 नए ओवरब्रिज बनने जा रहे हैं। इसके लिए बजट भी मंजूर कर लिया गया है। लोक निर्माण विभाग ने इस काम को पूरा करने के लिए एक साल का लक्ष्य रखा है। ओवरब्रिज बनाने के लिए उन सड़कों की पहचान की गई है जहां सबसे ज्यादा ट्रैफिक जाम और हादसे होते हैं। पीडब्ल्यूडी ने इसी सर्वे के आधार पर तय किया है कि किस सड़क पर ?नया ओवरब्रिज बनना है। शहर की चारों दिशाओं में नए ओवरब्रिज का निर्माण होगा इससे ट्रैफिक जाम-हादसे कम होंगे और हर सड़क पर 20 मिनट बचेंगे।

शहर में सबसे पहला ओवरब्रिज कालीबाड़ी चौक से पुलिस लाइन गेट और अमलीडीह चौक, केनाल लिंकिंग रोड पर द्रोणाचार्य स्कूल के पास बनेगा। अफसरों की योजना है कि इस ब्रिज के साथ ही गुढ़ियारी स्थित शुक्रवारी बाजार से स्टेशन की तरफ आने वाली सड़क पर भी ओवरब्रिज बनाने पर काम किया जा रहा है। इससे इस इलाके को सीधे एक्सप्रेस-वे से जोड़ा जा सकेगा।

# बिहार में तेजस्वी के साथ यात्रा करेंगे राहुल गांधी

**रक्षाबंधन के बाद महागठबंधन का हल्ला बोल; इंडिया. की मीटिंग में मुकेश सहनी नहीं आए**

**पटना, (एजेंसी)।** सीट शेयरिंग को लेकर आज पटना में महागठबंधन की बैठक हुई। इसे लेकर आरजेडी ने एक्स पर लिखा है कि महागठबंधन के अध्यक्ष तेजस्वी यादव की अध्यक्षता में समन्वय समिति की मीटिंग हुई। वहीं ऐसा पहली बार है जब महागठबंधन की बैठक से मुकेश सहनी गायब हैं। उन्होंने अपने प्रदेश अध्यक्ष को भेजा है। सहनी फिलहाल दिल्ली में है।

मीटिंग के बाद तेजस्वी यादव ने कहा, आज इंडिया गठबंधन की समन्वय समिति की बैठक हुई है और महत्वपूर्ण चर्चाएं की गई हैं। आने वाले कुछ दिनों में हम महागठबंधन के सभी साथी जनता के बीच जाएंगे। हम रैली भी करेंगे। बिहार की जनता के अधिकार को लेकर या जिस प्रकार से वोटर के नाम को काटा जा रहा है, इन बिंदुओं को लेकर हम जनता के बीच जाएंगे और इस यात्रा में राहुल गांधी भी शामिल होंगे। हम जनता के बीच जाकर अपने हर मुद्दे को स्पष्ट रखेंगे। पढ़ाई, दवाई, कमाई और सिंचाई में बिहार सबसे पीछे है और पलायन, गरीबी, बेरोजगारी में बिहार सबसे आगे है। हम सभी मुद्दों को साझा करेंगे।

लैंड फॉर जॉब केस में लालू यादव को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने लालू यादव की उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर रोक लगाने की मांग की थी। लालू यादव की ओर से मांग की गई थी कि ट्रायल कोर्ट की सुनवाई 12 अगस्त तक स्थगित की जाए।

# राहुल बोले-मोदी सीजफायर पर बोलेंगे तो ट्रम्प सच्चाई बता देगा

**नई दिल्ली, (एजेंसी)।** कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को संसद परिसर में मीडिया से बातचीत में कहा, अगर पीएम मोदी सीजफायर पर बोलेंगे तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प खुल के बोलेगा। उनकी सारी सच्चाई बता देगा। राहुल ने कहा, ट्रम्प सीजफायर पर लगातार इसलिए बयान दे रहा है, क्योंकि वो अपनी ट्रेड डील चाहता है। ट्रम्प ट्रेड डील को लेकर इनको (भारत) दबाएगा। आप देखना कैसी ट्रेड डील बनी है। इससे पहले, पीएम मोदी ने मंगलवार को लोकसभा में ट्रम्प का नाम लिए बिना कहा था कि दुनिया के किसी देश और नेता ने भारत से पाकिस्तान के खिलाफ एक्शन रोकने नहीं कहा था। पाकिस्तान के डीजीएमओ की गुहार लगाने के बाद सीजफायर हुआ। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प अब तक 26 बार कह चुके हैं कि भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर उन्होंने कराया।

**राजस्थान-एमपी में बाढ़ के हालात**

# 18 जिलों में स्कूल बंद

**नई दिल्ली, (एजेंसी)।** देशभर में भारी बारिश का दौर जारी है। राजस्थान में बुधवार को भी 6 जिलों में बारिश का रेड और बाकी में यलो अलर्ट जारी किया गया है। भारी बारिश की चेतावनी के बीच आज 14 जिलों में स्कूलों की छुट्टी है। मंगलवार देर रात से सवाई माधोपुर में बाढ़ के हालात हो गए हैं। यहां श्योपुर (मध्य प्रदेश) को जोड़ने वाली एक पुलिया बह गई। शहर के कई इलाके पानी में डूब गए। घरों में 5 फीट तक पानी भर गया है। बहाव इतना तेज था कि गाड़ियां बहते हुए एक-दूसरे पर चढ़ गईं। मध्य प्रदेश के अशोकनगर, श्योपुर, विदिशा समेत कई जिलों में बाढ़ के हालात हैं। कई रास्ते भी बंद हो गए। बुधवार को भी तेज बारिश का अलर्ट है। इसके चलते भोपाल, नर्मदापुरम, सीहोर, अशोकनगर में स्कूलों की छुट्टी घोषित की गई है।

एमपी के शिवपुरी में 30-35 लोग बाढ़ में फंसे हैं। यहां बचाव के लिए आर्मी के जवानों को लगाया गया है।

आर्मी आफिसर ने बताया कि नाव की मदद से लोगों का रेस्क्यू किया जा रहा है। अब तक 20 लोगों को बचा लिया गया है। इधर, हिमाचल के मंडी में सोमवार रात बादल फटने से एक ही परिवार के 3 लोगों की मौत हो गई। मंगलवार को रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर मलबे में दबे 20 लोगों को बचाया गया। मंडी में अभी भी 254 सड़कें बंद हैं। वहीं, पूरे हिमाचल प्रदेश में 357 से ज्यादा सड़कें बंद हैं।

# राज्यसभा में शाह के भाषण में विपक्ष का हंगामा

नई दिल्ली। राज्यसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा जारी है। बुधवार शाम को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सदन को संबोधित करने पहुंचे। इस पर विपक्ष ने हंगामा करते हुए पीएम मोदी को बुलाने की मांग की है। शाह ने कहा- पाकिस्तानी आतंकियों ने जो नुकसान किया, उसके जवाब में भारत सरकार और सेना ने जो मजबूत जवाब ऑपरेशन सिंदूर से दिया। उन्होंने कहा, विपक्ष पूछ रहा है कि पीएम कहा हैं? पीएम इस वक्त ऑफिस में हैं, उन्हें ज्यादा सुनने का शौक नहीं है। मेरे से निपट रहा है, उन्हें क्यों बुला रहे हो। राज्यसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर लगातार दूसरे दिन चर्चा हो रही है। शाह से पहले भाजपा सांसद जेपी नड्डा ने कहा कि 2014 से पहले हर जगह बम ब्लास्ट होते थे, लेकिन यूपीए सरकार पाकिस्तानियों को मिठाई खिलाती रही। शाह ने कहा- परसों ही तीन आतंकवादी, सुलेमान और अफगान और जिबरान को हमारे सुरक्षाबलों ने मौत के घाट उतार दिया।

# हिमाचल में करुणामूलक कोटे से 500 नौकरियां मंजूर

**महिलाएं 12 घंटे ड्यूटी कर सकेंगी] 194 पावर-प्रोजेक्ट का आवंटन रद्द, नर्सिंग की सीटें बढ़ाई**

**शिमला, (एजेंसी)।** हिमाचल सरकार की बुधवार को संपन्न कैबिनेट मीटिंग में करुणामूलक आधार पर नौकरियों के सभी मामले एकमुश्त निपटाने की मंजूरी दी गई। कैबिनेट ने इस कोटे से 500 पद भरने की स्वीकृति प्रदान की। इस फैसले के बाद विभिन्न विभागों, बोर्ड व निगमों में करुणामूलक कोटे से खाली पड़े पदों को भर दिया जाएगा। मंत्रिमंडल ने इस कोटे से नौकरियों के लिए आय की सीमा 2 लाख 50 हजार लाख से बढ़ाकर 3 लाख सालाना करने को मंजूरी प्रदान की। करुणामूलक नौकरियों के लिए अब 45 वर्ष से कम आयु की विधवाओं और पेरेंट्स विहीन आवेदकों प्राथमिकता प्रदान की जाएगी। जिन मामलों में इस प्रकार की नियुक्ति के लिए मौजूदा 5 प्रतिशत कोटे के तहत रिक्तियां उपलब्ध नहीं है, उस स्थिति में कैबिनेट ने पात्र आवेदकों को नौकरी देने के लिए इस कोटे में एकमुश्त छूट देने की अनुमति प्रदान की। कैबिनेट मीटिंग में हिम ऊर्जा के तहत 5 मेगावाट से कम क्षमता वाले 172 पावर प्रोजेक्ट को रद्द करने को मंजूरी दी। इंडस्ट्री मिनिस्टर हर्ष वर्धन चौहान ने कहा, आवंटन के बावजूद इनका काम 20 से 25 सालों से लटका हुआ है।

ये प्रोजेक्ट अब दोबारा विज्ञापित किए जाएंगे। भविष्य में जो भी 5 मेगावाट तक की परियोजनाएं दी जाएंगी, उन पर 12 प्रतिशत मुफ्त बिजली रॉयल्टी और एक प्रतिशत स्थानीय क्षेत्र विकास कोष के लिए देना अनिवार्य होगा।

# छीसगढ़ का मान बढ़ा, 115 निकायों को मिली रेटिंग



**रायपुर, (एजेंसी)।** राष्ट्रीय स्वच्छता पुरस्कार लेकर पहुंचे शुक्रवार को उप मुख्यमंत्री अरुण साव वापस लौटे। उनका एयरपोर्ट पर स्वच्छता दीदियों और सफाई मित्रों ने ढोल-नगाड़े और फूलों के साथ स्वागत किया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वच्छ सर्वेक्षण में छत्तीसगढ़ को इस बार ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल हुई। प्रदेश के 7 नगरीय निकायों को राष्ट्रीय स्वच्छता पुरस्कार मिला है। इसमें से 6 निकायों को राष्ट्रपति द्वारा पुरस्कृत किया गया। रायपुर नगर निगम को मिनिस्ट्रियल पुरस्कार मिला है। पहली बार रायपुर को 7 स्टार रेटिंग मिली है। इससे पहले प्रदेश का कोई भी शहर 7 स्टार श्रेणी में नहीं आया था। साव ने कहा कि छत्तीसगढ़ के 169 निकायों में से 115 निकायों को रेटिंग में स्थान मिला है।

## खाद्य मंत्री ने जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई के दिए निर्देश

**भोपाल।** खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने मंगलवार को अपने शासकीय निवास पर जनसुनवाई की। प्रदेशभर से बड़ी संख्या में पहुंचे नागरिकों ने विभिन्न समस्याएं और शिकायतें मंत्री के समक्ष रखीं। उन्होंने सभी आवेदकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और अधिकारियों को समस्याओं के शीघ्र और प्रभावी समाधान के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान सामने आई समस्याओं में विभिन्न जनकल्याण योजनाओं से जुड़ी अड़चनें एवं अन्य समस्याएं प्रमुख रहीं। मंत्री ने प्रत्येक मामले में विभागीय अधिकारियों से जवाब-तलब करते हुए समाधान के लिए निर्धारित समय-सीमा तय करने को कहा।

मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार निरंतर जनसेवा और समग्र विकास के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि आमजन की समस्याओं के समाधान में लापरवाही अथवा विलंब किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगा। प्रत्येक आवेदन का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। मंत्री श्री राजपूत ने यह भी कहा कि खाद्य सुरक्षा, उपभोक्ता संरक्षण और सार्वजनिक वितरण प्रणाली से जुड़ी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिलों में सतत निगरानी रखी जाए एवं शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए। शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचना चाहिए, यही हमारी प्रतिबद्धता है।

## श्रद्धालुओं के लिए और भी सुविधाजनक बनेगा ओंकारेश्वर तीर्थ दर्शन

**भोपाल।** सावन के महीने में श्रद्धालुओं के लिए ओंकारेश्वर में दर्शन व्यवस्था सुगम बनायी गई है। सावन माह के बाद एक माह तक विशेष तौर पर महाराष्ट्र से श्रद्धालु ओंकारेश्वर आते हैं इस दौरान भी यहाँ समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी। ओंकारेश्वर में ममलेश्वर मंदिर की नवगठित प्रबंधन समिति की पहली बैठक गत दिवस ओंकारेश्वर स्थित एकात्म धाम परियोजना कार्यालय के सभा कक्ष में संपन्न हुई। बैठक में मांधाता विधायक श्री नारायण पटेल, संभागायुक्त इंदौर श्री दीपक सिंह के अलावा कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक खण्डवा, नगर परिषद ओंकारेश्वर की अध्यक्ष श्रीमती मनीषा परिहार सहित मंदिर प्रबंधन समिति के सदस्यगण मौजूद थे।

बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने कहा कि मंदिर में प्रचलित परंपराओं में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा, सभी परंपराओं का पहले की तरह ही पालन किया जाएगा। संभागायुक्त श्री सिंह ने कहा कि ममलेश्वर मंदिर परिसर की व्यवस्थाओं को और अधिक बेहतर बनायेंगे। संभागायुक्त श्री सिंह ने कहा कि ममलेश्वर मंदिर परिसर में विकास कार्यों की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के माध्यम से तैयार कराई जाए, और उसी के हिसाब से मंदिर परिसर में विकास कार्य किए जाएं। उन्होंने मंदिर परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाकर कंट्रोल रूम स्थापित करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर खंडवा श्री गुप्ता ने बताया कि ममलेश्वर मंदिर की वेबसाइट बना ली गई है। कुछ ही दिनों में ममलेश्वर मंदिर के लाइव दर्शन की सुविधा भी वेबसाइट के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी। शीघ्र दर्शन, पार्थेश्वर पूजन, कालसर्प पूजन, जलाभिषेक जैसी सुविधाएं भी वेबसाइट के माध्यम से श्रद्धालुओं को ऑनलाइन ही मिलने लगेगी।

# राहत एवं बचाव कार्य में जुटी हैं रेस्क्यू टीमें-मुख्यमंत्री

**मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में जारी भारी बारिश और बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए राज्य सरकार पूरी गंभीरता और तत्परता से कार्य कर रही है। संकट की इस घड़ी में सरकार पूरी तरह से प्रदेशवासियों के साथ खड़ी है। बाढ़ प्रभावित जिलों में राहत और बचाव के कार्य युद्ध स्तर पर चलाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि राहत कार्यों को गति देने के लिए राज्य सरकार ने केंद्रीय रक्षा मंत्रालय से सेना के हेलीकॉप्टरों की मांग की है। अशोकनगर जिले में लखनऊ से भेजा गया एक हेलीकॉप्टर राहत एवं बचाव कार्य में सक्रिय रूप से लगा हुआ है।

मुख्यमंत्री ने बुधवार को भोपाल स्थित राज्य आपदा नियंत्रण कक्ष (स्टेट कमांड सेंटर) से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में चल रहे रेस्क्यू ऑपरेशन का लाइव निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद मीडिया को दिए संदेश में मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि अब तक मुरैना, गुना, शिवपुरी, रीवा, रायसेन, दमोह और अशोकनगर जैसे जिलों से करीब 2,900 लोगों को सुरक्षित रेस्क्यू कर राहत शिविरों तक पहुंचाया गया है। इन शिविरों में पीड़ितों को भोजन, कपड़े, दवाएं और अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रेस्क्यू टीमों को पूरी क्षमता और संसाधनों के साथ मैदान में लगाया गया है। उन्होंने बताया कि अगले दो से तीन दिनों तक प्रदेश में बारिश की स्थिति बनी रहने की संभावना है, जिसे देखते हुए सभी जिलों में प्रशासन को हाई अलर्ट पर मुस्तैद और आल टाईम रेडी रहने के निर्देश दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि वे सतर्कता बरतें, नालों और जलभराव वाले क्षेत्रों से दूरी बनाए रखें, करंट और जर्जर मकानों से सावधानी बरतें, और किसी भी आपदा की स्थिति में अपनी तहसील या जिले के बाढ़ नियंत्रण कक्ष (कंट्रोल रूम) को तुरंत सूचना दें। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार हर नागरिक की सुरक्षा और सहायता के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि किसी भी अप्रिय स्थिति या बाढ़ आदि में फंसे लोग बिलकुल न घबराएं, सरकार सबकी सुरक्षा में हर समय तत्पर है।

## प्रदेश के 24 हजार 662 आंगनबाड़ी का हो रहा स्मार्ट कायाकल्प

**मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)।** मध्यप्रदेश के लगभग 24 हजार 662 आंगनबाड़ी को सक्षम आंगनबाड़ी केंद्रों के रूप में उन्नत किया जा रहा है। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 में लगभग 25 प्रतिशत केंद्रों को आधुनिक तकनीक और मूलभूत सुविधाओं से सुसज्जित कर स्मार्ट बनाया जा रहा है। यह पहल प्रदेश में प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा को मजबूती प्रदान करेगी और बच्चों के सर्वांगीण विकास की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। इस योजना के तहत प्रत्येक चयनित आंगनबाड़ी केंद्र को 1 लाख रूपये की लागत से उन्नत किया जा रहा है। उन्नयन में एलईडी (स्मार्ट टीवी), वॉटर प्यूरीफायर, वर्षा जल संचयन प्रणाली, पोषण वाटिका, और गतिविधियों के लिये आवश्यक संसाधनों की स्थापना सम्मिलित है। प्रारंभिक शिक्षा को रोचक और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से आंगनबाड़ी केंद्रों में एलईडी स्मार्ट टेलीविज़न लगाए जा रहे हैं। इनका उपयोग 3 से 6 वर्ष के बच्चों को हिन्दी-अंग्रेज़ी वर्णमाला, गिनती, और अन्य पूर्व-प्राथमिक शिक्षा गतिविधियों के विज़ुअल टूल्स के माध्यम से ज्ञान देने में किया जाएगा। यह पहल बच्चों में सीखने के प्रति रुचि और आनंद उत्पन्न करेगी, जिससे उनके शारीरिक और मानसिक विकास को बल मिलेगा। आंगनबाड़ी केंद्रों पर वॉटर प्यूरीफायर लगाए जा रहे हैं, जिससे बच्चों को स्वच्छ पेयजल सुलभ हो सके।

यह प्रयास जलजनित बीमारियों की रोकथाम में प्रभावी साबित होगा और बच्चों के पोषण एवं स्वास्थ्य सुरक्षा को सुनिश्चित करेगा। जल स्तर में लगातार गिरावट को देखते हुए आंगनबाड़ी केंद्रों पर रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की स्थापना की जा रही है। बरसात के पानी को संरक्षित कर भूगर्भीय जलस्तर को पुनर्जीवित करने का यह नवाचार राज्य के सतत विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण कदम है। विभाग द्वारा इस प्रणाली के संचालन के लिये मैदानी अमले को प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। हर आंगनबाड़ी केंद्र की उपलब्ध भूमि में पोषण वाटिका तैयार की जा रही है, जिसमें मौसमी सब्जियाँ व फलदार पौधे लगाए जा रहे हैं। इसका उद्देश्य स्थानीय स्तर पर ताजे, पोषक और किफायती खाद्य पदार्थों की सतत उपलब्धता सुनिश्चित करना है, जिससे आंगनबाड़ी के बच्चों और आसपास के जरूरतमंद परिवारों को लाभ होगा।

## सिंहस्थ-2028 के लिए उज्जैन में एम.पी. ट्रांसको बना रही है दो नए 132 के.वी. एस्ट्रा हाईटेंशन सब-स्टेशन : ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

**मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)।** ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि सिंहस्थ-2028 के सफल आयोजन के दृष्टिगत मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी. ट्रांसको) उज्जैन में अपनी पारेषण प्रणाली को सुदृढ़ कर रही है। ट्रांसमिशन लाइनों के विस्तार के साथ-साथ दो नए 132 के.वी. एक्स्ट्रा हाईटेंशन सब-स्टेशनों का निर्माण और मौजूदा सब-स्टेशनों की क्षमता वृद्धि की जा रही है, जिससे आयोजन के दौरान निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। मंत्री श्री तोमर ने बताया कि तैयारियों के पहले चरण में दो नए सबस्टेशनों का निर्माण और साथ ही कुछ मौजूदा सबस्टेशनों की क्षमता भी बढ़ाई जा रही है।

इनमें से एक सब-स्टेशन, त्रिवेणी बिहार, उज्जैन में स्थापित किया जा रहा है, जो प्रदेश का चौथा तथा उज्जैन का पहला जी.आई.एस. (गैस इंसुलेटेड स्विचगियर) सब-स्टेशन होगा। इस सब-स्टेशन को 220के व्ही जैतपुरा (इंदौर )और उज्जैन से विद्युत आपूर्ति प्राप्त होगी। दूसरे 132 के.वी. सब-स्टेशन का निर्माण चिंतामन, उज्जैन में किया जा रहा है, जिसे विद्युत आपूर्ति के लिए चार स्रोत—220 के.वी. उज्जैन, चंद्रवतीगंज, देपालपुर एवं गौतमपुरा—से जोड़ा जाएगा।

एम.पी. ट्रांसको उज्जैन के अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री के एम सिंघल ने बताया कि 400 के.वी. उज्जैन सब-स्टेशन में 132 के.वी. नेटवर्क का विस्तार करते हुए एक 50 एम.वी.ए. क्षमता का नया ट्रांसफार्मर तथा 33 के.वी. के चार नए फीडर निकाले जा रहे हैं। इसके अलावा, 220 के.वी. शंकरपुर सब-स्टेशन में वर्तमान 20 एम.वी.ए. ट्रांसफार्मर को अपग्रेड कर 50 एम.वी.ए. का नया ट्रांसफार्मर स्थापित किया जाना प्रस्तावित है। पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा सिंहस्थ आयोजन के दौरान 676 एम.वी.ए. लोड का अनुमान लगाया गया है। वर्तमान में एम.पी. ट्रांसको के पास 651 एम.वी.ए. की उपलब्ध क्षमता है शेष लोड के लिए आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं।

## एसजीएसआईटीएस के पांच स्नातक पाठ्यक्रमों को एनबीए से मिली वर्ष 2028 तक मान्यता

**मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)।** उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने प्रदेश के इंदौर स्थित श्री गोविंदराम सेकसरिया प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान (एसजीएसआईटीएस) के पांच स्नातक पाठ्यक्रमों को एक साथ राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड द्वारा वर्ष 2028 तक प्रत्ययित होने की महत्वपूर्ण एवं गौरवपूर्ण उपलब्धि मिलने पर तकनीकी शिक्षा विभाग एवं संस्थान परिवार को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं हैं। मंत्री श्री परमार ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में सतत् नवीन आयाम स्थापित कर रही है। राज्य सरकार, विद्यार्थियों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के परिप्रेक्ष्य में गुणवत्तापूर्ण एवं रोजगार मूलक तकनीकी शिक्षा प्रदान करने की दिशा में प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। मंत्री श्री परमार ने कहा कि एसजीएसआईटीएस संस्थान, तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में आदर्श

संस्थान के रूप में अभिप्रेरणा का केंद्र बन रहा है। यह मान्यता छात्रों, शिक्षकों और संस्थान के लिए गौरव का क्षण है। यह उपलब्धि न केवल हमारे विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य को सुनिश्चित करती है, बल्कि संस्थान की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रणाली की भी पुष्टि करती है। उल्लेखनीय है कि इंदौर स्थित श्री गोविंदराम सेकसरिया प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान (एसजीएसआईटीएस), वर्ष 1952 में स्थापित प्रदेश के सबसे पुराने, विश्वसनीय एवं प्रतिष्ठित तकनीकी शिक्षण संस्थानों में से एक है। राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड ने संस्थान में विद्युत अभियांत्रिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं इंस्ट्रूमेंटेशन अभियांत्रिकी, सूचना प्रौद्योगिकी, यांत्रिक अभियांत्रिकी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स एवं दूरसंचार अभियांत्रिकी स्नातक पाठ्यक्रमों को मान्यता प्रदान की है। यह मान्यता शैक्षणिक सत्र 2022-23, 2023-24 और 2024-25 के साथ-साथ 2025-26, 2026-27 और 2027-28 तक के लिए 30 जून 2028 तक प्रभावी रहेगी।

## खिलाड़ी पूरी क्षमता से खेलें और मध्यप्रदेश का नाम रोशन करें -मंत्री श्री सारंग

**मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)।** खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि खिलाड़ी पूरी क्षमता के साथ अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करें और मध्यप्रदेश का नाम देश में रोशन करें। राज्य सरकार खेलों के उन्नयन के लिये हर सुविधा मुहैया करवा रही है। मंत्री श्री सारंग मंगलवार को तात्या टोपे खेल स्टेडियम में राज्यस्तरीय बॉक्सिंग चेंपियनशिप के समापन समारोह को सम्बोधित कर रहे थे।

इस अवसर पर उन्होंने उत्कृष्ट खिलाड़ियों और टीम को पुरस्कार वितरण भी किया। मंत्री श्री सारंग ने आशा व्यक्त की कि मध्यप्रदेश ऐसे आयोजनों से बॉक्सिंग में भी देश में अग्रणी स्थान बनाएगा। उन्होंने कहा कि सभ्य समाज के निर्माण में खेलों का महत्वपूर्ण स्थान है। खेल से व्यक्ति अनुशासित, संयमित बनता है और खेल भावना से शारीरिक तथा मानसिक रूप से सुदृढ़ होता है। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने खिलाड़ी और खेल के उन्नयन के लिये काम किया है। विगत दिनों नई खेल नीति आई है अब पहली बार देश में खेल के सभी ऐसोशिएशन, फेडरेशन सुचारू रूप से खेलों के उन्नयन पर काम कर सकेंगे। सरकार के साथ उनका सही समन्वय हो, इसको लेकर केन्द्र सरकार ने एक विस्तारित विधेयक लोकसभा में प्रस्तुत किया है। आने वाले समय में देश में खेलों का और अधिक उन्नयन होगा। मंत्री श्री सारंग ने एक वर्ष पूर्व केन्द्रीय खेल मंत्री को दिये सुझाव पर नेशनल स्पोर्ट्स ट्रिब्यूनल बनाने में इस विधेयक की घोषणा हुई है। मंत्री श्री सारंग ने कहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में खेल के उन्नयन, विकास और सुचारू खेल सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। हर विधानसभा क्षेत्र में कम से कम एक खेल स्टेडियम बनाकर खिलाड़ियों की प्रतिभा निखारने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अक्टूबर में एमपी यूथ गेम्स का आयोजन रस्म अदायगी नहीं रहेगा

## तहसील-जिलों की सीमा तय करने को लेकर बड़ा फैसला, 30 जुलाई को होगी बड़ी बैठक

**मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)।** संभाग, जिला, तहसील व विकासखंडों की सीमा नए सिरे से तय करने में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन (आइआइपीए) तकनीकी मदद करेगा। मध्यप्रदेश प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग ने इसके लिए सरकार के सामने अर्जी भेज दी है, जिसे अनुमति मिलना तय है। इसके बाद आइआइपीए को आयोग की ओर से पत्र भेजा जाएगा।

इसके आधार पर वह सीमा निर्धारण के लिए काम शुरु करेगा, जो कि सैटेलाइट इमेजनरी, ड्रोन सर्वे समेत अन्य माध्यमों से सर्वे कर तकनीकी रिपोर्ट देगा। आयोग भी नागरिकों व जनप्रतिनिधियों के सुझावों पर प्रशासनिक इकाइयों की जरुरतों के आधार पर रिपोर्ट को परखेंगे। तब कहीं सरकार के सामने संयुक्त रिपोर्ट पेश की जाएगी। इस प्रक्रिया में किसी भी स्तर पर माननीयों की मनमानी नहीं चलेगी। पूर्व में कुछ माननीय राजनीतिक लाभों के लिए इस तरह का दबाव बनाते रहे हैं। बड़े स्तर पर प्रशासनिक इर्कायों की सीमाओं में सामने आ रही खामियों में एक बड़ी वजह यह भी सामने आ रही है। यही वजह है कि आइआइपीए को शामिल करने की जरूरत महसूस हुई।

वर्तमान में आयोग के पास तीन सदस्य हैं। सेवानिवृत्त एसीएस एसएन मिश्रा, सेवानिवृत्त आइएएस अक्षय सिंह और सेवानिवृत्त आइएएस मुकेश कुमार शुक्ला। आयोग में अध्यक्ष अब तक किसी को नहीं बनाया गया है। राजस्व विभाग के अधिकारियों का कहना है कि आयोग ने काम शुरु कर दिया है। 20 जिलों में अधिकारी पहुंच चुके हैं। पोर्टल पर सुझाव मांगे जाने लगे हैं। जनप्रतिनिधि भी आयोग के कार्यालय पहुंचकर क्षेत्र की जानकारी साझा कर रहे हैं। दूसरी तरफ प्राथमिक आधार पर संकलित किए गए डेटा का मिलान भी शुरु कर दिया है, लेकिन यह सब पर्याप्त नहीं है। आगे तकनीकी दक्षता के साथ काम करना होगा, इसलिए आइआइपीए जैसे संस्थानों की मदद लेने पर विचार किया जा रहा है। आयोग लगातार जिलों में बैठकें कर रहा है। अगली बैठक 30 जुलाई को शाजापुर में होगी। इसमें आयोग के सदस्य व स्थानीय प्रशासन के अधिकारी मौजूद रहेंगे। नागरिकभी बैठक में सुझाव दे सकेंगे। आयोग ने ऑनलाइन सुझाव मांगने शुरु कर दिए हैं। पोर्टल पर पब्लिक एप्लीकेशन नामक विकल्प के जरिए प्रशासनिक इकाई की भौतिक सीमा से जुड़े सुझाव दिए जा सकते हैं। यह काम आयोग स्वयं के स्तर पर कर रहा था। काम को और आधुनिक तरीके से करने के लिए किसी भारतीय संस्थान की मदद लेने पर विचार किया गया था। इसमें आइआइपीए का नाम पहले आया। यह संस्थान वर्षों से इस तरह के काम में दक्ष है। तकनीकी और विश्लेषकों की टीम है।

## प्रदेश के नगरीय निकायों में स्टॉप डायरिया केम्पेन सह दस्तक अभियान

**मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)।** प्रदेश में डायरिया की रोकथाम, सफाई और ओआरएस से रखें अपना ध्यान थीम पर आधारित स्टॉप डायरिया केम्पेन सह दस्तक अभियान शुरू हो गया है और अभियान 16 सितम्बर 2025 तक चलेगा। नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त श्री संकेत भोंडवे ने नगरीय निकायों में की जाने वाली गतिविधियों के संबंध में निर्देश जारी किए है। नगरीय निकायों को निर्देश दिए गये हैं कि विशेष सफाई अभियान में खुले एवं संवेदनशील क्षेत्रों में कचरे को फेंकने से रोकने, नालियों में रूके हुए पानी एवं गाद को साफ करने का काम प्राथमिकता से किया जाए। नगर की कम आय वर्ग और झुग्गी बस्तियों में विशेष स्वच्छता अभियान का संचालन किया जाए। इसी के साथ नगरीय निकायों में कचरा संग्रहण, परिवहन और उसका प्रसंस्करण नियमित किया जाए। अतिवृष्टि की स्थिति में भी उक्त सेवाओं का सुचारू संचालन किया जाएं। शहरी क्षेत्रों में सार्वजनिक शौचालयों की नियमित सफाई एवं रखरखाव किया जाए। निकाय क्षेत्र में झुग्गी बस्तियों, उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों, व्यवसायिक एवं आवासीय क्षेत्रों में स्थित सभी सामुदायिक और सार्वजनिक शौचालयों की सफाई की जाएं। नगरीय निकायों में इस अवधि में वर्षा जल संचयन और उससे जुड़ी तकनीकों को बढ़ावा दिया जाए। नगरीय निकायों के आंगनबाड़ी केन्द्रों, विद्यालयों, छात्रावासों में शुद्ध पेयजल के साथ स्वच्छ शौचालयों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। इन जगहों पर पेय जल की आपूर्ति एवं रख-रखाव की योजना तैयार की जाए। नगरीय निकायों में जल भराव एवं उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों की पहचान कर डायरिया के प्रकोप, अन्य जल जनित बीमारियों की रोकथाम के लिये आवश्यक उपाय किये जाएं।

## देश की आर्थिक उन्नति में दुग्ध उत्पादन का महत्वपूर्ण योगदान- पशुपालन राज्य मंत्री पटेल

**भोपाल।** पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री लखन पटेल ने कहा है कि देश की आर्थिक उन्नति में दुग्ध उत्पादन का महत्वपूर्ण स्थान है। गौ एवं भैंस वंशीय पशुओं की नस्ल सुधार कर दुग्ध उत्पादन में काफी बढ़ोतरी की जा सकती है। कृत्रिम गर्भाधान के माध्यम से नस्ल सुधार को एक अभियान के रूप में चलाया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में दुग्ध उत्पादन को 9त्न से बढाकर 20 प्रतिशत तक किए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। हमें इसे पूरा करना है और गुणवत्ता पूर्ण कृत्रिम गर्भाधान से नस्ल सुधार और ब्रीडिंग कवरेज बढ़ाकर दुग्ध उत्पादन में वृद्धि की जा सकेगी। केंद्र द्वारा चलाए जा रहे राष्ट्रीय कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम को भी प्रदेश में प्रभावी ढंग से संचालित किया जाए। राज्य पशुपालन प्रशिक्षण संस्थान भोपाल में गत दिवस कृत्रिम गर्भाधान प्रशिक्षण एवं उन्मुखीकरण कार्यशाला आयोजित की गई। सुधार को एक अभियान के रूप में चलाने, सॉर्टेड सेक्सड सीमेन तकनीक, साइलेज उत्पादन, फीड एंड फॉडर आदि विषयों पर समस्त प्रतिभागियों से चर्चा एवं संवाद किया गया।

# सालों ने जीजा के साथ की दारू पार्टी, नशा होते ही मुंहबोले साले ने तालाब में दिया धक्का

### नाबालिग भतीजे ने खोल दिया राज

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** ससुराल में दारुपार्टी कर रहे युवक को गांव के मुंहबोले सालों ने तालाब में धक्का दे दिया। गहरे पानी में डूबने से उसकी मौत हो गई। घटना मंगलवार रात करीब सात बजे सीधी जिले की रामपुर नैकिन तहसील के चोभरा दिग्विजय गांव की है। पहले लोग इसे हादसा मानते रहे, लेकिन पास ही में मौजूद मृतक के भतीजे ने पूरा राज खोल दिया। नाबालिग ने बताया कि फूफा को उनके साथ पार्टी कर रहे गांव के ही भइया लोगो ने धक्का दिया है। उसने पुलिस को उनके नाम भी बताए हैं। मझिगवां निवासी 30 वर्षीय राजकुमार कोल शादी तीन साल पहले चोभरा दिग्विजय गांव की मुन्नी कोल से हुई थी। उनके एक डेढ़ साल की बेटी है। राजकुमार दिनों वे अपनी ससुराल आया हुआ था मंगलवार को गांव के ही मुंहबोले सालों ने शाम के वक्त उसे पार्टी के लिए बुलाया। पार्टी की शुरुआत में तो हंसी-मजाक चलती रही। करीब आधे घंटे बाद जीजा और गांव के मुहबोले सांसदों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी होने लगी।

**परिजन बोले- हत्या की है:** राजकुमार के परिजन का कहना है कि वो वरुण, गब्बर, संजय और लालू के साथ तालाब किनारे बैठकर शराब और अंडे की पार्टी कर रहा था। इसी दौरान उनके बीच किसी बात पर बहस हो गई। यह जल्द ही धक्का-मुक्की में बदल गई। उन लोगों ने राजकुमार को जान-बूझकर तालाब में धक्का दे दिया। वे लोग जानते थे कि उसे तैरना नहीं आता और जिस जगह धक्का दिया वहां बहुत ज्यादा गहराई है। आरोपियों ने जान बूझकर राजकुमार की हत्या की है।

**13 घंटे बाद मिला शव:** मृतक के साले शिवशंकर कोल ने बताया कि जिस वक्त घटना हुई वे अपने घर पर थे। गांव के ही एक शख्स ने उन्हें फोन कर बताया कि जीजा राजकुमार तालाब में डूब गए। मैं जब वहां पहुंचा तो तालाब पर बहुत साले लोग मौजूद थे। मुझे बताया गया कि जीजा शराब के नशे में तालाब में गिर गए। हमें मामला संदिग्ध लग रहा था। इसी बीच पुलिस को सूचना दी गई। रातभर तालाब में शव की तलाश की गई। लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। बुधवार सुबह करीब 8 बजे एक बार फिर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। करीब 8 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद शव को बाहर निकाला गया।

**मृतक के भतीजे ने खोला राज:** रात में सभी लोग राजकुमार के तालाब में गिरने को हादसा मान रहे थे। पुलिस ने जब लोगों से पूछताछ की तो भी सभी इसे हादसा बताते रहे। लेकिन इसी बीच पुलिस ने जब राजकुमार के साले शिवशंकर के नाबालिग बेटे से पूढताछ की।

राहुल ने पुलिस को बताया, फूफा राजकुमार को वरुण ने अचानक तालाब में धक्का दे दिया। वे तैरना नहीं जानते थे। पानी में डूब गए। बाकी लोग वहां से भाग निकले। घटना के तुरंत बाद मैंने गांववालों को जानकारी दी।

**मामले में आया नया मोड़:** राहुल के इस बयान के बाद मामले ने नया मोड़ ले लिया है। परिजनों ने साजिश के तहत हत्या की आशंका जताई है। सूचना मिलने पर थाना प्रभारी सुधांशु तिवारी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। सीधी से एसडीआरएफ की टीम को बुलवाया गया।

थाना प्रभारी ने बताया कि घटना की जांच सभी पहलुओं से की जा रही है। संदिग्धों की तलाश की जा रही है। जल्द ही गिरफ्तारी की कार्रवाई की जाएगी।

## जनता की आवाज, पुलिस की प्राथमिकता, नवाचार जनसुनवाई कार्यक्रम में पुलिस की ऐतिहासिक पहल

**मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)।** जिला मऊगंज पुलिस, जनहित में पारदर्शिता, संवेदनशीलता एवं त्वरित न्याय की दिशा में एक और सशक्त कदम बढ़ाते हुए आज दिनांक 29 जुलाई 2025 को नवाचार जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया। यह जनसुनवाई पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें जनसुनवाई को प्रभावी एवं परिणाममुखी बनाने हेतु नवीन तकनीकों का उपयोग करते हुए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जनता से संवाद स्थापित किया गया। वीसी का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि दूरस्थ क्षेत्रों में निवास करने वाले नागरिक भी अपने नजदीकी थाने से जुड़कर पुलिस अधीक्षक से सीधे संवाद कर सकें, जिससे उन्हें जिला मुख्यालय तक आने की आवश्यकता न पड़े और उनकी समस्याओं का समाधान सहजता से हो सके।

इस जनसुनवाई में मऊगंज, शाहपुर, लौर, हनुमना एवं नईगढ़ी थानों के थाना प्रभारियों, संबंधित विवेचकों एवं अधिकारियों ने समयबद्ध एवं सक्रिय सहभागिता दर्ज की। प्रत्येक फरियादी की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना गया, और संबंधित अधिकारियों को वीसी के माध्यम से तत्काल दिशा-निर्देश प्रदान किए गए, जिससे शिकायतकर्ताओं को मौके पर ही समाधान की आशा मिली। हम यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि जनसुनवाई को हमने केवल एक औपचारिक प्रक्रिया न मानते हुए, जनसेवा का सशक्त माध्यम बनाया है।

पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी प्रतिभागी थाना प्रभारियों एवं अधिकारियों की इस अनुकरणीय कार्य के लिए सराहना की गई तथा यह निर्देश भी दिए गए कि इस नवाचार जनसुनवाई कार्यक्रम को भविष्य में और अधिक प्रभावशाली एवं सुलभ बनाया जाए, जिससे जनसामान्य को समस्या का त्वरित समाधान हो सके। मऊगंज पुलिस, जनता के विश्वास एवं सहयोग से प्रेरणा लेकर निरंतर जनसेवा, न्याय और पारदर्शिता की राह पर अग्रसर हैं।

## जमीनी विवाद में बुजुर्ग की हत्या, पड़ोसियों ने खेत में ले जाकर पत्थर से कुचला सिर

**मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)।** जिले के चितरंगी थाना क्षेत्र के पड़रिया गांव में एक बुजुर्ग की जमीनी विवाद के चलते हत्या कर दी गई। 65 वर्षीय भागीरथी सिंह को उनके पड़ोसियों ने घर से अगवा कर खेत में ले जाकर पत्थर से मार दिया। चितरंगी थाना प्रभारी सुदेश तिवारी के अनुसार, घटना मंगलवार की शाम 7 से 8 बजे के बीच की है। भागीरथी सिंह जब अपने घर में थे, तभी उनके पड़ोसी गुट बनाकर आए और उन्हें जबरन उठाकर पास के खेत में ले गए। वहां विवाद के दौरान आरोपियों ने बुजुर्ग के सिर पर पत्थर से हमला किया, जिससे मौके पर ही उनकी मृत्यु हो गई।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए चितरंगी स्वास्थ्य केंद्र भेज दिया। पुलिस ने चार आरोपियों की पहचान कर ली है। इनमें लक्षनधारी सिंह गौड़, दुधनाथ सिंह गौड़, अर्जुन उर्फ पिंटू सिंह गौड़ और देवनाथ सिंह गौड़ शामिल हैं। सभी आरोपी पड़रिया गांव के निवासी हैं। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि मृतक भागीरथी सिंह का आरोपियों के साथ लंबे समय से जमीनी विवाद चल रहा था।

## बिजली बिल वसूली करने गए कर्मचारियों से मारपीट

### 3 कर्मचारी घायल, सीधी के रायखोर में लोहे की रॉड और पत्थर से किया हमला

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** जिले के रायखोर गांव में बिजली बिली की वसूली करने गए कर्मचारियों पर लोहे की रॉड और पत्थरों से हमला करने का मामला सामने आया है। इसमें तीन कर्मचारी घायल हुए हैं। मामले में रामपुर नैकिन थाना पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

शिकायतकर्ता अभिषेक पांडे के अनुसार, उनके अधीनस्थ कर्मचारी रिंकू लोनिया, गोलू सिंह और रवि शंकर शुक्ला, उपभोक्ता दामोदर उर्फ रमुआ गुप्ता से 9800 रुपए बकाया बिजली बिल वसूलने गए थे। (दिसंबर 2024 से अब तक बकाया) उपभोक्ता ने बिल चुकाने से मना कर दिया। इस पर कर्मचारी कनेक्शन काटने लगे। इस आरोपी राजकुमार गुप्ता ने कर्मचारियों के साथ गाली-गलौज करते हुए कहा, ना बिल देंगे, ना कनेक्शन काटने देंगे। उसके बाद उसने लोहे की रॉड से हमला कर दिया।

राजकुमार के साथ उसके परिजन अंकित गुप्ता, मुनेंद्र गुप्ता और मेवा लाल गुप्ता ने भी रॉड और पत्थरों से हमला किया। मारपीट में तीनों कर्मचारी घायल हुए। बीच-बचाव करने पहुंचे रविशंकर पांडे के साथ भी मारपीट की गई। घटना की जानकारी मिलते ही अन्य बिजली कर्मचारी पहुंचे। घायलों को थाना ले गए।

घायलों को रामपुर के स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार दिया गया। रामपुर नैकिन थाना पुलिस ने आरोपी राजकुमार गुप्ता, अंकित गुप्ता, मुनेंद्र गुप्ता और मेवा लाल गुप्ता के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धाराओं में केस दर्ज किया है।

## हत्या के प्रयास के आरोपीगण अपर सत्र न्यायालय रीवा द्वारा किए गए दोषमुक्त

**मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।** अभियोजन कहानी के अनुसार 31 मई 2022 के रात्रि के 9 बजे के करीब ग्राम भीटबा में राकेश विश्वकर्मा, रमेश विश्वकर्मा के साथ आरोपी सत्यम सिंह परिहार ने अपने साथी शिवम विश्वकर्मा और ऋतिक विश्वकर्मा के साथ मिलकर धारदार हथियार से प्राणघातक हमला कर शरीर के मार्मिक स्थल पर चोट पहुंचाई जिस पर आरोपीगण के खिलाफ पुलिस थाना चोरहटा में अपराध क्रमांक 375/2022 मे अपराध अंतर्गत धारा 307,323,294,506,341,34 आइपीसी के अंतर्गत अपराध पंजीवध कर आरोपीगण को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया और आरोपीगण का प्रकरण विचारण हेतु माननीय अपर सत्र न्यायाधीश असरफ अली के न्यायालय में पेश हो कर न्यायालय द्वारा विचारण किया गया, अभियोजन अपना मामला आरोपीगण के खिलाफ साबित करने में असफल रहा तत्पश्चात आरोपीगण को हत्या के प्रयास के मामले में दोषमुक्त घोषित किया गया, आरोपीगण की ओर से पैरवी अधिवक्ता राजीव सिंह परिहार (शेरा सिंह), और एडवोकेट आशीष सिंह कल्चुरी ने की।

## तेंदूपत्ता संग्रहालय में विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया

### पर्यावरण जागरूकता के तहत किया गया पौधरोपण

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** म.प्र.राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी के अध्यक्ष श्री प्रयाग लाल दिनकर के मार्गदर्शन में वन विभाग के समन्वय से श्री राकेश कुमार सोनी प्रथम जिला न्यायाधीश, मुकेश कुमार शिवहरे सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी, जिला विधिक सहायता अधिकारी मनीष कौशिक द्वारा 30 जुलाई को स्थान सिंगरौली बायपास के पास तेंदूपत्ता संग्रहालय में जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया जिसमें पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से पौधरोपण भी किया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्रकार के पौधे रोपित किए गए तथा पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला गया। इस कार्यक्रम में स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

राकेश कुमार सोनी प्रथम जिला न्यायाधीश सीधी ने कहा कि सामाजिक न्याय और स्वच्छ पर्यावरण, दोनों ही एक समावेशी और स्वस्थ समाज की नीव है। हमें दोनों क्षेत्रों में सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए। शिविर के दौरान जिला विधिक सहायता अधिकारी द्वारा आमजन को डॉन योजना, संवाद योजना तथा साथी योजना की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि इन योजनाओं का उद्देश्य समाज के वंचित, शोषित और जरूरतमंद वर्गों तक न्याय और सहायता की पहुँच सुनिश्चित करना है।

## तेज रफ्तार कार पेड़ से टकराई, 4 लोग घायल

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** अमरवाह गांव के पास राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-39 पर मंगलवार रात एक सड़क हादसा हुआ। रात लगभग 1 बजे एक तेज़ रफ्तार ब्लैक कलर की कार (नंबर एमपी66जेडई 5) अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक पेड़ से टकरा गई। इस दुर्घटना में कार सवार चार लोग घायल हो गए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, कार सीधी से रीवा की ओर जा रही थी। अमरवाह के समीप वाहन चालक ने नियंत्रण खो दिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए।

हादसे की सूचना मिलते ही 108 एम्बुलेंस सेवा मौके पर पहुंची। सभी घायलों को तत्काल जिला अस्पताल सीधी में भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार के बाद घायलों की स्थिति को देखते हुए उन्हें रीवा स्थित संजय गांधी मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया गया।

थाना जमोड़ी के प्रभारी उप निरीक्षक दिव्य प्रकाश त्रिपाठी ने बताया कि दुर्घटना की सूचना के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची। कार के अनियंत्रित होने के कारणों की जांच की जा रही है। इसमें मैकेनिकल फॉल्ट समेत अन्य पहलुओं को शामिल किया गया है। उन्होंने बताया कि घायलों की पहचान अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है। अस्पताल चौकी से पूरी जानकारी प्राप्त होने के बाद ही उनकी शिनाख्त की जा सकेगी।

## सुपर-100 परीक्षा प्रदेश के 57 केन्द्रों पर 3 अगस्त को

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** मध्यप्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा सुपर-100 योजना में इस वर्ष परीक्षा का आयोजन 3 अगस्त को किया जा रहा है। परीक्षा जिला स्तर पर बनाये गये विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर होगी।

# नशे से दूरी है जरूरी जन जागृति अभियान कार्यक्रम का पूजा पार्क सीधी में हुआ आयोजन

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** पुलिस विभाग द्वारा स्वस्थ एवं नशा मुक्त समाज के निर्माण के लिए 15 से 30 जुलाई 2025 तक नशे से दूरी है जरूरी नशा जन जागृति अभियान पूरे प्रदेश में चलाया जा रहा है। उक्त अभियान के अंतर्गत दिन प्रतिदिन पुलिस विभाग एवं अन्य विभागों के सहयोग से नशा मुक्ति जागरूकता हेतु विभिन्न कार्यक्रम किए जा रहे हैं। इसी क्रम में संचालनालय खेल और युवा कल्याण विभाग मध्य प्रदेश भोपाल से प्राप्त निर्देशानुसार खेलकूद और रचनात्मक गतिविधियों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करने तथा नशे से दूर रखने हेतु खेल और युवा कल्याण विभाग सीधी द्वारा 29 जुलाई को पूजा पार्क सीधी में डॉ रविंद्र वर्मा पुलिस अधीक्षक सीधी के निर्देशन एवं अरविंद श्रीवास्तव अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी सीधी के मार्गदर्शन में नशे से दूरी है जरूरी कार्यक्रम का आयोजन तहसीलदार गोपद बनास एकता शुक्ला के मुख्य आतिथ्य, मानिंद शेर अली खान जिला खेल प्रशिक्षक खेल विभाग सीधी, विद्यालयों के पीटीआई शिक्षक खेल संघ के प्रशिक्षक खेल विभाग नगर पालिका एवं पुलिस विभाग के कर्मचारी खिलाड़ी एवं विद्यालय के छात्र-छात्राओं की उपस्थिति में किया गया।

मुख्य अतिथि तहसीलदार गोपद बनास द्वारा उपस्थित समस्त विभाग के कर्मचारी खिलाड़ी एवं छात्र-छात्राओं को नशे से दूर रहने शिक्षा के साथ-साथ खेलों में आगे बढ़ने तथा नशे से होने वाले दुष्परिणामों के बारे में बताया गया। साथ ही नशा मुक्त समाज के निर्माण हेतु स्वयं को नशे से मुक्त रखने की सलाह दी गई।

इसके पश्चात मुख्य अतिथि द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित खिलाड़ियों विद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं समस्त विभाग के कर्मचारियो एवं अभिभावकों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। तत्पश्चात पालिका व्यायाम शाला अमहा सीधी में नगर पालिका अध्यक्ष सीधी की उपस्थिति में नाग पंचमी के अवसर पर आयोजित दंगल प्रतियोगिता में भी नशे से दूरी है जरूरी अभियान के तहत नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। उक्त कार्यक्रम का आयोजन ब्लॉक समन्वय के द्वारा विकासखंड के विभिन्न विद्यालयों में भी किया गया।

## चोरगड़ी में हरियाली यात्रा का हुआ आयोजन

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के अध्यक्ष एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की अनूठी पहल के अंतर्गत नवांकुर सखी योजना में 29 जुलाई को विकासखंड रामपुर नैकिन के चोरगड़ी में सामाजिक कार्यकर्ता देव कुमार सिंह चौहान के मुख्य आतिथ्य एवं के के तिवारी की अध्यक्षता में कलश यात्रा एवं पौधा वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक शिवदत्त उरमलिया तथा नवांकुर संस्था जयप्रकाश युवा मंडल के अध्यक्ष वीरेंद्र तिवारी के आयोजकत्व में कार्यक्रम में भारी संख्या में ग्रामीण जनो ने सहभागिता की। पंजीकृत 100 मातृ शक्तियों को 1100 पौधे वितरण करने के साथ ही अतिथियों के द्वारा पौधे रोपित किए गए।

## नाम सुधार सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि मैं दीपक सिंह बद्येल पिता राजनारायण सिंह उम्र 28 वर्ष ग्राम व पोस्ट तिलखन थाना बैकुण्ठपुर तह. सिरमौर जिला रीवा (म0प्र0) का मूल निवासी हूँ, यह कि मेरे शैक्षणिक दस्तावेजों (हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी) में मेरा नाम दीपक सिंह लेख है जो गलत है जबकि मेरे आधार कार्ड, पेन कार्ड एवं समस्त दस्तावेज में मेरा नाम दीपक सिंह बद्येल है, जो सही है अत: आज दिनांक से मेरे शैक्षणिक एवं समस्त दस्तावेजो में मेरा नाम दीपक सिंह बद्येल लिखा, पढ़ा व जाना जाय।

**सूचनादाता**
**दीपक सिंह बद्येल**

# संपादकीय

## शतरंज के वैश्विक बोर्ड पर भारत का दिव्य अधिकार

वैश्विक शतरंज में वर्ष 2025 एक ऐसी दिव्य उपलब्धि लेकर आया है जिसे तब तक स्मरण किया जाएगा जब तक वैश्विक मंच पर शतरंज खेला जाएगा और शतरंज के प्रेमी रहेंगे। भारत की 88वीं ग्रेंड मास्टर बनीं 19 वर्षीय दिव्या देशमुख ने जार्जिया के बाटुमी में हुए फिडे महिला शतरंज विश्व कप प्रतियोगिता में अपने ही देश की कोनेरू हंपी को पराजित करते हुए इतिहास रच दिया। इसके साथ ही दिव्या शतरंज के खेल की नई सनसनी बन गई हैं। अभी तक दिव्या को 15वी वरीयता प्राप्त थी किंतु दृढ़ता और ओपनिग की तैयारियों ने दिव्या को चैपिंयन बना दिया है। नागपुर की रहने वाली 19 वर्षीया दिव्या देशमुख भविष्य में कई युवाओं को उसी प्रकार से खेल के प्रति उत्साहित करने में सक्षम हो गई हैं जैसे कि भाला फेंक प्रतियोगिता में नीरज चोपड़ा कर रहे हैं। दिव्या के पिता डा. जितेंद्र और माता नम्रता देशमुख दोनों ही चिकित्सक हैं। दिव्या ने सबसे पहले 2012 में अंडर-सात में राष्ट्रीय शतरंज प्रतियोगिता जीतकर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई। दिव्या ने 214 में दक्षिण अफ्रीका के डरबन में अंडर 10 और 2017 में ब्राजील में अंडर -12 वर्ल्ड यूथ खिताब जीते। वह 2021 में विदर्भ क्षेत्र की पहली महिला ग्रैंड मास्टर बनीं। उन्होंने 2023 में इंटरनेशनल मास्टर की प्रतियोगिता जीती। फिर उन्होंने ग्रैड मास्टर आर. बी. रमेश के मार्गदर्शन में चेन्नई के शतरंज गुरूकुल में अपनि प्रतिभा का परिचय दिया।

दिव्या शतरंज ओलम्पियाड में तीन बार की स्वर्ण पदक विजेता हैं। दिव्या ने एशियन चैम्पियनशिप और वर्ल्ड जूनियर चैम्पियनशिप में भी स्वर्णपदक जीता। दिव्या ने वर्ष 2024 में बुडापेस्ट में 45वें शतंरज ओलम्पियाड में भारत को स्वर्ण पदक दिलाया और वर्ल्ड टीम रैपिड और बिल्ट्ज शतरंज प्रतियोगिता में भी शानदार प्रदर्शन किया। दिव्या की बड़ी बहन बैइमिंटन खेलने के लिए जाती थीं और उनके साथ दिव्या भी जाती थी किंतु उन्हें शतरंज में रूचि थी और वे उसी में रम गई आज वह शतरंज की सर्वोत्कृष्ट खिलाड़ी हैं। वर्ष 2025 में दिव्या ने चीन की 22 वर्षीय ग्रैंडमास्टर झू जिनर को हराकर शानदार जीत हासिल की, वहीं दूसरी भारतीय महिला खिलाडी कोनेरू हंपी ने भी चीनी खिलाड़ी को ही हराकर फिडे शतरंज विश्वकप में चीन का दबदबा ध्वस्त कर दिया है। यह भारत के लिए बड़ी अभूतपूर्व दोहरी सफलता रही है कि फिडे विश्व कप के फाइनल में दोनों ही खिलाड़ी भारतीय रहे ।

अब विश्व शतरंज में भारत की धमक बढ़ रही है और भारत के खिलाड़ी देश का ध्वज शतरंज के बोर्ड पर लहरा रहे हैं। इससे पूर्व पुरुष शतरांज में 18 वर्षीय डी. गुकेश ने चीन के डिग लिरेन को हराकर कीर्तिमान रचा था। उनकी यह उपलब्धि सिर्फ व्यक्तिगत उपलब्धि ही नहीं थी अपितु भारतीय शतरांज की एक बड़ी छलांग थी। विगत वर्ष सितंबर माह में ही भारत ने बुडापेस्ट में हुए 45वें शतरंज ओलम्पियाड में भी शानदार प्रदर्शन किया थ जिसमें महिला और पुरुष दोनों ही टीमों ने स्वर्ण पदक जीतकर देश को गर्व से भर दिया था। भारत के कई अन्य ग्रैंड मास्टर भी वैश्विक जगत में अपनी चमक बिखेर रहे हैं। जिसमें आर. प्रगनानंद, विदित गुजराती, अर्जुन ऐरिगिसी, आर वैशाली और डी. हरिका जैसे युवा खिलाड़ी प्रमुख हैं। आज पूरा भारत शतरंज की दुनिया में अपनी बेटियो की सफलता पर गर्व का अनुभव कर रहा है। भविष्य में यही युवा खिलाड़ी अन्य खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्वर बनने जा रहे हैं। अब शतरंज के आकाश पर भारत का राज स्थपित हो रहा है। यह पल भारत के लिए बेहद गर्व के पल हैं।

# वायु प्रदूषण से स्मृति-लोप का बढ़ता खतरा

**ललित गर्ग**

**अध्ययन में चेतावनी दी गई है कि प्रदूषित हवा के नियमित संपर्क में रहने से मनोभ्रंश एवं स्मृति-लोप का खतरा काफी बढ़ जाता है, यह एक ऐसी प्रगतिशील स्थिति है जो स्मृति और संज्ञानात्मक क्षमताओं को क्षीण कर देती है। पर्यावरण की उपेक्षा एवं बढ़ता वायु प्रदूषण मनुष्य स्वास्थ्य के लिये न केवल घातक हो रहा है, बल्कि एक बीमार समाज के निर्माण का कारण भी बन रहा है। हाल ही में हुए एक मेटा-अध्ययन ने वायु प्रदूषण और बिगड़ती स्मृति के बीच एक खतरनाक संबंध का खुलासा किया है। हवा में मौजूद विषैले कण-खासकर महीन धूल और नाइट्रोजन डाइऑ साइड जैसी हानिकारक गैसें, जो मुय रूप से वाहनों और औद्योगिक प्रक्रियाओं से निकलती हैं, हमारे मस्तिष्क को सीधे प्रभावित कर रही हैं।**

यह व्यापक शोध लगभग 3 करोड़ व्यक्तियों से जुड़े 51 अध्ययनों पर आधारित है। ये निष्कर्ष भारत जैसे देशों के लिए विशेष रूप से चिंताजनक हैं, जहाँ वायु प्रदूषण का स्तर दुनिया में सबसे अधिक है। अगर धनी और विकसित देश भी प्रदूषण के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों से जूझ रहे हैं, तो भारत लापरवाही बर्दाश्त नहीं कर सकता। वायु प्रदूषण से निपटना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

अध्ययन में चेतावनी दी गई है कि प्रदूषित हवा के नियमित संपर्क में रहने से मनोभ्रंश एवं स्मृति-लोप का खतरा काफी बढ़ जाता है, यह एक ऐसी प्रगतिशील स्थिति है जो स्मृति और संज्ञानात्मक क्षमताओं को क्षीण कर देती है। दुनिया भर में, लगभग 5.74 करोड़ लोग पहले से ही मनोभ्रंश से प्रभावित हैं। वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए तत्काल कार्रवाई न किए जाने पर, यह संख्या 2050 तक तिगुनी होकर 15.28 करोड हो सकती है। मनोभ्रंश अर्थात डिमेंशिया या भूलने की बीमारी का दुनिया में बढ़ता खतरा इतना बड़ा है कि आगामी पच्चीस वर्ष में इस बीमारी से ग्रस्त लोगों की संख्या तीन गुना हो जाएगी।

शोधकर्ताओं ने वायु प्रदूषण में खासकर कार से निकलने वाले धुएं या उत्सर्जन को गंभीर माना है। उल्लेखनीय है कि लंबे समय तक प्रदूषित वातावरण में रहने वाले लोगों के मस्तिष्क की कार्यक्षमता में एक दशक तक की गिरावट देखी जा सकती है, उदाहरण के लिए, लगातार जहरीली हवा में सांस लेने वाला 50 वर्षीय व्यक्ति 60 वर्षीय व्यक्ति के समान संज्ञानात्मक क्षमता प्रदर्शित कर सकता है। वायु प्रदूषण का सबसे पहला असर फेफड़ों और दिल पर पड़ता है, लेकिन यह वहीं तक सीमित नहीं रहता। हवा में मौजूद ये छोटे-छोटे कण हमारी सांस के जरिए खून में चले जाते हैं और फिर सीधे दिमाग तक पहुंच जाते हैं। इससे-याद रखने की क्षमता कमजोर होती है। ध्यान केंद्रित करना मुश्किल हो जाता है। सीखने और नई बातें याद रखने में दिक्कत होती है। कुछ मामलों में डिप्रेशन यानी अवसाद की संभावना बढ़ जाती है।

द लैंसेट प्लैनेटरी हेल्थ जर्नल में प्रकाशित इस अध्ययन में पाया गया कि पीएम 2.5 (सूक्ष्म कण पदार्थ) में प्रति घन मीटर 10 माइक्रोग्राम की वृद्धि से स्मृति संबंधी बीमारियों का खतरा 17 प्रतिशत बढ़ जाता है। वाहनों के धुएँ और जलती हुई लकड़ी से निकलने वाले ब्लैक कार्बन में एक माइक्रोग्राम की भी वृद्धि से यह खतरा 13 प्रतिशत बढ़ जाता है। ये सूक्ष्म कण हमारे श्वसन और परिसंचरण तंत्र को दरकिनार कर मस्तिष्क तक पहुँच सकते हैं और सूजन व ऑक्सीडेटिव तनाव पैदा कर सकते हैं, जिससे अंततः न्यूरॉन्स को नुकसान पहुँचता है। इसके दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। प्रदूषित हवा न केवल फेफड़ों और हृदय के स्वास्थ्य को प्रभावित करती है, बल्कि याददाश्त, एकाग्रता, सीखने और भावनात्मक स्थिरता को भी कमज़ोर करती है। अध्ययनों से पता चला है कि उच्च प्रदूषण वाले क्षेत्रों में रहने वाले बच्चे स्वच्छ वातावरण में रहने वालों की तुलना में स्कूल की परीक्षाओं में खराब प्रदर्शन करते हैं। प्रदूषित हवा के संपर्क में आने वाले वयस्क अक्सर चिड़चिड़ापन, थकान और यहाँ तक कि अवसाद का अनुभव करते हैं। उनकी उत्पादकता और निर्णय लेने की क्षमता भी प्रभावित हो सकती है।

प्रदूषण से प्रेरित स्मृति हानि का प्रभाव केवल व्यक्तियों तक ही सीमित नहीं है, यह शैक्षिक परिणामों, कार्यस्थल की दक्षता और सामाजिक निर्णय लेने को भी प्रभावित करता है। आँकड़े दर्शाते हैं कि उच्च-पीएम क्षेत्रों में लोग मौखिक प्रवाह, तर्क, सीखने और स्मृति परीक्षणों में कम अंक प्राप्त करते हैं, जो शिक्षा का एक पूरा वर्ष गँवाने के समान है। एक हालिया अध्ययन से पता चला है कि कैसे किराने की खरीदारी जैसे नियमित कार्यों में संज्ञानात्मक विकर्षण प्रदूषण के संपर्क में आने से बढ़ जाता है। वृद्ध और कम शिक्षित व्यक्ति विशेष रूप से असुरक्षित होते हैं, अक्सर रोज़मर्रा के कार्य करने की क्षमता खो देते हैं और दूसरों पर अधिक निर्भर हो जाते हैं।

बढ़ते खतरे के बावजूद, चिकित्सा विज्ञान वर्तमान में मनोभ्रंश का कोई निश्चित इलाज नहीं देता है। मौजूदा उपचार सीमित और अक्सर अप्रभावी होते हैं, जिससे मरीज धीरे-धीरे अपनी याददाश्त और स्वतंत्रता खो देते हैं। अध्ययन के सह-प्रमुख लेखक, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के डॉ. क्रिस्टियन ब्रेडल इस बात पर ज़ोर देते हैं कि मनोभ्रंश की रोकथाम केवल स्वास्थ्य सेवा की ज़िम्मेदारी नहीं है। शहरी नियोजन, परिवहन नीतियां और पर्यावरणीय नियम, सभी इस संकट से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वायु प्रदूषण न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचाता है, बल्कि सामूहिक सोच, जीवनशैली विकल्पों और पर्यावरणीय निर्णयों को भी विकृत करता है। बड़े पैमाने पर, यह शैक्षिक उपलब्धि में कमी, उत्पादकता में कमी, स्वास्थ्य सेवा के बढ़ते बोझ और गहरी होती आर्थिक असमानताओं में योगदान देता है। वाशिंगटन में 12 लाख लोगों पर किए गए एक अलग अध्ययन से पता चला है कि जंगल की आग के धुएँ के संपर्क में आने से, जो पीएम 2.5 के स्तर को बढ़ाता है, मनोभ्रंश का खतरा 18-21 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय द्वारा की गई एक और व्यापक समीक्षा (51 अध्ययनों में 2.9 करोड़ लोगों पर) ने पुष्टि की कि पीएम 2.5 के संपर्क में आने से मनोभ्रंश का खतरा 13-17 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। विज्ञान स्पष्ट है कि ये सूक्ष्म कण श्वसन तंत्र और मस्तिष्क में गहराई तक प्रवेश करते हैं, मस्तिष्क के कार्य को बाधित करते हैं और मानसिक गिरावट को तेज़ करते हैं।

हाल ही में चीन में हुए एक शोध में भी पीएम और नाइट्रोजन ऑक्साइड के संपर्क को मध्यम आयु वर्ग और वृद्ध लोगों में संज्ञानात्मक क्षमता में कमी, विशेष रूप से कार्यशील स्मृति में कमी से जोड़ा गया है। यह एक बढ़ता हुआ संकट है जिसके प्रभाव न केवल व्यक्तियों पर बल्कि पूरे समाज पर पड़ रहे हैं। हमें यह स्वीकार करना होगा कि वायु प्रदूषण अब केवल खांसी या सांस की बीमारी तक सीमित नहीं है, यह चुपचाप हमारी स्मृति, संज्ञानात्मक कार्यों और मानसिक स्वास्थ्य पर हमला कर रहा है। लोग मानसिक थकान, अवसाद या चिड़चिड़ापन महसूस कर सकते हैं। सामूहिक स्तर पर, शिक्षा और उत्पादकता में गिरावट, स्वास्थ्य पर बढ़ता बोझ और आर्थिक असमानता बढ़ती है। अगर तत्काल और निर्णायक कदम नहीं उठाए गए, तो स्थिति और बिगड़ेगी। वायु प्रदूषण शरीर में हानिकारक रासायनिक प्रतिक्रियाओं को जन्म देता है जो कोशिकाओं, प्रोटीन और डीएनए को नुकसान पहुँचाती हैं, जिससे मनोभ्रंश जैसी तंत्रिका संबंधी बीमारियों का मार्ग प्रशस्त होता है। उत्साहजनक रूप से, शोध बताता है कि वायु प्रदूषण को कम करने से स्वास्थ्य, आर्थिक, सामाजिक और जलवायु क्षेत्रों में दीर्घकालिक लाभ मिल सकते हैं। इससे मरीजों, परिवारों और देखभाल करने वालों पर बोझ भी कम होगा। अब हमें खुद से यह सवाल पूछना होगा कि हम न केवल अपने फेफड़ों, बल्कि अपने दिमाग की भी रक्षा के लिए कितनी दूर तक जाने को तैयार हैं?

# ऑपरेशन सिंदूर पर संसद में उठे सुलगते सवालों के मिले असपष्ट जवाबों के गम्भीर वैश्विक मायने को ऐसे समझिए

**कमलेश पांडे**

पहलगाम आतंकी हमले के बाद हुए ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े सुलगते हुए सवालों पर भारत की संसद के दोनों सदनों यानी राज्यसभा और लोकसभा में लगभग 32 घण्टे तक पक्ष और विपक्ष के बीच जोरदार बहस चली, लेकिन नेता प्रतिपक्ष के दहकते हुए कुछ सवालों का सटीक जवाब प्रधानमंत्री, रक्षा मंत्री, विदेश मंत्री और गृहमंत्री आदि नहीं दे पाए! इसके पीछे मौलिक वजह यह बताई जाती है कि विपक्ष के कुछ मूर्खतापूर्ण सवालों का जवाब चतुर सत्तापक्ष ने रणनीतिक पूर्वक गोलमोल तरीके से दिया है। तभी तो यह सवाल उठने लगे कि पीएम मोदी के भाषण द्वारा मिले जवाब में कुछेक विपक्षी सवालों का सीधा और माकूल जवाब नहीं मिल पाया है? इस बाबत राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि पीएम मोदी भले ही संसद में अपनी बात रख चुके हों, लेकिन अभी तक उनके मार्फ़त कई सवालों के जवाब नहीं मिले हैं। कहा जा रहा है कि पीएम मोदी की स्पीच में बहुत सारे सवालों के जवाब तो मिले लेकिन ढेर सारे सवालों के जवाब, जवाब के तौर पर नहीं बल्कि सवाल के रूप में मिले। उदाहरण के तौर पर, सरकार ने इस बात का कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया कि आखिरकार सीज़फ़ायर क्यों किया गया? इसकी जानकारी घोषणा होने से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप तक कैसे पहुंच गई, जिन्होंने इस मसले पर सबसे पहले ट्वीट किया था? वहीं, पहलगाम से पुलवामा तक सुरक्षा मामलों

में हुई चूक को लेकर किसी की तरफ़ से स्पष्ट जवाब नहीं मिला- चाहे वो रक्षा मंत्री हों, गृह मंत्री हों या प्रधानमंत्री! उल्लेखनीय है कि भारत और पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष विराम की पहली जानकारी यदि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दी थी, तो आखिर कैसे, यह देशवासी जानना चाहते हैं। क्योंकि ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम की घोषणा करते हुए दावा किया था कि रात भर चली बातचीत में अमेरिका ने मध्यस्थता की। ट्रेड की शर्तों पर युद्ध विराम करवाया। वहीं, तब से अब तक राष्ट्रपति ट्रंप दो दर्जन से अधिक बार भारत-पाकिस्तान के बीच सीज़फ़ायर करवाने का दावा कर चुके हैं, जिससे भारत सरकार की कूटनीतिक सफलता पर सवाल उठना लाजिमी है। दरअसल, गत सोमवार को भी स्कॉटलैंड में ब्रिटिश प्रधानमंत्री किएर स्टार्मर के साथ हुई बातचीत से पहले मीडिया को संबोधित करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान सहित दुनिया भर में चल रहे छह बड़े युद्ध को रोकने में अपनी भूमिका की बात कही थी। क्योंकि अंतरराष्ट्रीय शांति का नोबल पुरस्कार पाने के लिए वह लालायित हैं। वहीं भारतीय विपक्ष ने निरंतर यह सवाल उठाया कि मोदी सरकार ने इस पर चुप्पी क्यों साधी है? क्या यह दावा सच है या झूठ? मोदी ने अपने संसदीय बयान में भी ट्रंफ का ज़िक्र क्यों नहीं किया?

इसका सीधा जवाब यही होगा कि प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी स्पीच में न तो अमेरिका का नाम लिया और न ही डोनाल्ड ट्रंप का ज़िक्र किया। क्योंकि वैश्विक कूटनीति में ऐसा नहीं होता कि किसी नेता का नाम लेकर सरकार बयान दे। जहां तक अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की बात है तो वह दुनिया के सबसे ताक़तवर देश के राष्ट्रपति हैं। वहीं, इस पूरी बहस में सरकार ने चीन का नाम भी नहीं लिया है, जिसने पाकिस्तान की तरफ़ से पूरा युद्ध लड़ा है। इसलिए पूरक सवाल है कि जब चीन पर नहीं बोल रहे, तो ट्रंप पर कैसे बोलेंगे?

हां, इतना जरूर है कि तीसरे देश के हस्तक्षेप पर बोलते हुए पीएम मोदी ने दो कहा है कि, दुनिया के किसी भी नेता ने भारत को ऑपरेशन रोकने के लिए नहीं कहा। 9 तारीख (मई) की रात को अमेरिका के उपराष्ट्रपति जी ने मुझसे बात करने का प्रयास किया। वे घंटे भर कोशिश कर रहे थे, लेकिन उस समय सेना के साथ मेरी मीटिंग चल रही थी। मैं उनका फ़ोन उठा नहीं पाया और बाद में जब उन्हें कॉल बैक किया। तो उन्होंने मुझसे कहा कि पाकिस्तान बहुत बड़ा हमला करने वाला है। इस पर मेरा उन्हें जवाब था कि अगर पाकिस्तान का ये इरादा है, तो उसे बहुत महंगा पड़ेगा। इसलिए सवाल दर सवाल उठ रहे हैं कि आखिर केंद्र की मोदी सरकार डोनाल्ड ट्रंप का नाम लेने से क्यों बच रही है? तो इसका स्पष्ट जवाब यही होगा कि मौजूदा दौर में तेजी से आगे बढ़ रहा भारत अंतरराष्ट्रीय मोर्चा (इंटरनेशनल फ्रंट) पर विभिन्न प्रकार की कई चुनौतियों से जूझ रहा है। चूंकि बहुत सारी चीजें बातचीत की मेज़ पर हैं, इसलिए ट्रंप जैसे व्यक्ति का नाम लेकर भारत अपना पक्ष कमज़ोर नहीं करना चाहता है। लेकिन इसका मतलब यह भी कतई नहीं है कि सरकार ट्रंप को सही ठहरा रही है। बस भारत अनावश्यक रूप से और अधिक समस्याएं खड़ा नहीं करना चाहता है। इसलिए भारत अपनी रणनीति में सफल है, जबकि विदेशी एजेंडे पर सियासी गोले बरसा रहा विपक्ष बेचैन! भारत का विपक्ष एक और सवाल जानना चाहता है कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत के कितने फ़ाइटर जेट गिरे? हालांकि, उसे यह भी पूछना चाहिए था कि पाकिस्तान के कितने फाइटर जेट मार गिराए गए। इसका दो टूक जवाब यह होगा कि सर्वप्रथम भारतीय सेना ने रफ़ाल लड़ाकू विमान गिराने के दावे को खारिज किया था। लेकिन उसके ही एक वरिष्ठ अधिकारी ने विदेश में यह बात कबूल ली की ऐसा कुछ हुआ है। यह विरोधाभाषी स्थिति ही मोदी सरकार के गले की हड्डी बन चुकी है। इससे उत्साहित अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसी महीने दावा किया था कि मई में भारत-पाकिस्तान के बीच चले संघर्ष के दौरान %पांच लड़ाकू विमान मार गिराए गए थे। हालांकि, ट्रंप ने यह स्पष्ट नहीं किया कि किस देश के कितने विमान गिराए गए। इससे पहले पाकिस्तान भी भारत के पांच लड़ाकू विमान मार गिराने का दावा कर चुका है, जिसे भारत ने हमेशा ख़ारिज किया है।

# हाईकोर्ट बोला-कलेक्टर को बीईओ को सस्पेंड करने अधिकार नहीं

## युक्तियुक्तकरण में गड़बड़ी के आरोप में किया था निलंबित, हाईकोर्ट ने कलेक्टर का आदेश किया निरस्त

**मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)।** हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश कुमार सिन्हा और जस्टिस बीडी गुरु की डिवीजन बेंच ने कहा कि, कलेक्टर को बीईओ जैसे क्लास-2 स्तर के अधिकारियों को निलंबित करने का अधिकार नहीं है। उन्होंने अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर निलंबन आदेश जारी किया है। इस टिप्पणी के साथ ही डिवीजन बेंच ने बस्तर संभाग के जगदलपुर जिले में पदस्थ विकासखंड शिक्षा अधिकारी मानसिंह भारद्वाज के निलंबन आदेश को निरस्त कर दिया है। याचिकाकर्ता मानसिंह भारद्वाज जगदलपुर विकासखंड में बीईओ के पद पर पदस्थ हैं। युक्तियुक्तकरण को लेकर उन पर विभाग को गलत जानकारी देने का आरोप है। जिस पर प्रभारी कलेक्टर ने उन्हें निलंबित करने का आदेश जारी कर दिया। कलेक्टर के आदेश को चुनौती देते हुए उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर दी।

**सुनवाई का अवसर दिए बिना की कार्रवाई:** मानसिंह भारद्वाज की तरफ से बताया गया कि वो 2 जून से 6 जून 2025 तक भतीजे की शादी में शामिल होने सिवनी (मप्र) गए थे। उन्होंने पूर्व स्वीकृत छुट्टी भी लिया था। लेकिन, 4 जून को अचानक उनकी छुट्टी निरस्त कर दी गई और 5 जून को उपस्थित होने का आदेश जारी किया गया।

लौटने से पहले ही 6 जून को उनका निलंबन आदेश पारित कर दिया गया। न तो उन्हें कारण बताओ नोटिस दिया गया और न ही व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर मिला।

**सिंगल बेंच के फैसले के खिलाफ की अपील:** हाईकोर्ट की सिंगल बेंच ने मामले की सुनवाई के बाद याचिका खारिज कर दी थी। इस पर उन्होंने सिंगल बेंच के फैसले के खिलाफ डिवीजन बेंच में अपील की। डिवीजन बेंच ने मामले की गंभीरता को समझते हुए आदेश को विधि विरुद्ध मानते हुए निरस्त कर दिया।

हालांकि, हाईकोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि संभागीय आयुक्त चाहें तो वे नियमों के तहत उचित प्रक्रिया अपनाते हुए दो सप्ताह के भीतर आवश्यक कार्रवाई कर सकते हैं।

**अधीनस्थ अधिकारी ने किए दस्तखत, नियमों का किया उल्लंघन:** हाईकोर्ट ने यह भी टिप्पणी की, कि निलंबन आदेश पर कलेक्टर के हस्ताक्षर नहीं थे। उस समय कलेक्टर छुट्?टी पर थे और जिला पंचायत सीईओ प्रभारी कलेक्टर के रूप में कार्यरत थे। सीईओ ने ही निलंबन आदेश पर हस्ताक्षर किए। कोर्ट ने इसे नियमों का स्पष्ट उल्लंघन माना।

निलंबन जैसी कठोर कार्रवाई में यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि प्राधिकारी विधि द्वारा प्रदत्त अधिकारों का पालन करे, अन्यथा आदेश असंवैधानिक और शून्य हो जाता है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि कलेक्टर न तो बीईओ के नियुक्ति प्राधिकारी हैं और न ही उन्हें निलंबन का अधिकार है। यह अधिकार केवल संभागीय आयुक्त या स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव के पास निहित है।

## पेट्रोल-पंप में कैश से भरे बैग की लूट

## चोरी की बाइक से आया, रेकी की, फिर बैग छीनकर भागा; गिरफ्तार

**मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)।** राजधानी रायपुर के रायपुरा स्थित पेट्रोल पंप में कैश से भरे बैग की लूट हुई है। 17 जुलाई की रात साढ़े 11 बजे महिला कर्मचारी पेट्रोल पंप पर ड्यूटी में तैनात थी। तभी एक लुटेरा चोरी की बाइक में आया और पेट्रोल डलवाने के बाद महिला के पास रखे बैग को छीनकर भाग गया। मामला डीडी नगर थाना क्षेत्र का हैं। आसपास की सीसीटीवी देखने के बाद आरोपी पकड़ा गया है। वह सिविल लाइन का रहने वाला है। आरोपी ने लूट से पहले रेकी की थी। उसके कब्जे से नगदी और बाइक समेत 50 हजार का माल बरामद हुआ है।

**चोरी से पहले रेकी की:** डोमेश्वरी साहू ने थाना डी.डी.नगर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह सत्यम विहार कॉलोनी रायपुरा में रहती है और वर्धमान फ्यूल्स पेट्रोल पम्प, रायपुरा में काम करती है। 17 जुलाई को वह वर्धमान फ्यूल्स पेट्रोल पम्प में अपना काम कर रही थी। तभी रात करीब साढ़े 11 बजे एक युवक आया उसने पेट्रोल डलवाकर रेकी की। फिर कुछ देर बाद वापस लौट कर आया। आरोपी ने डोमेश्वरी के पास रखे बैग को झपट्टा मार कर छीन लिया। फिर फरार हो गया।

**50 हजार का माल जब्त:** इस मामले में डीडी नगर पुलिस को शिकायत मिलने के बाद आरोपी की खोजबीन शुरू हुई। पुलिस ने सिविल लाइन के रहने वाले इन्तेशाल खान को अरेस्ट किया। आरोपी ने बताया कि उसने वारदात के लिए खम्हारडीह से चोरी की गई बाइक का इस्तेमाल किया था। पुलिस ने आरोपी के पास से नगदी और बाइक समेत 50 हजार का माल जब्त किया हैं।

## जिला अस्पताल में बढ़ती पीलिया से पीड़ित मरीजों की संख्या

**मीडिया ऑडीटर, चिरमिरी (निप्र)।** चिरमिरी के जिला अस्पताल में पीलिया से पीड़ित बच्चे महिलाएं एवं बुजुर्ग देखने को मिले उनसे चर्चा किया गया तो बताया जा रहा है की पीलिया का मूल जड़ पीने वाला दूषित जल है। जो पीएचई के द्वारा सप्लाई होता है। पूरा जिला अस्पताल में पीलिया से पीड़ित मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है, वही मनेद्रगढ़ विधानसभा के विधायक श्याम बिहारी जायसवाल के द्वारा पेयजल हेतु करोड़ों रुपए का सौगात चिरमिरी को दिया गया, लेकिन आपको बता दें कि यह केवल अभी तक कागजों में ही देखने और सुनने को मिला है। जमीनी अस्तर का हाल जिला अस्पताल बयां कर रहा है जब हमारे पत्रकारों के द्वारा डॉक्टरों से पूछा गया तो यह बीमारी का मूल जड़ क्या है। उनके द्वारा बताया अशुद्ध पेयजल के सेवन से यह बीमारी बरसात में होता है। जिला अस्पताल चिरमिरी में 40 मरिज में 30 मरिज पीलिया के आदर्श गए। सोचने वाली बात यह है कि पीलिया से ग्रसित मरीज सीधे-सीधे किडनी पर प्रभाव डालता है। जिससे उनके शरीर में ब्लड की जगह पानी बनने लगता है और नस नारियों के ग्रंथि में और रक्त की जगह पानी भर जाता है और पूरा शरीर पीला पड़ जाता है। जिसका बेहतर इलाज ना हो पाया तो मरीज की मौत भी हो सकती है। चिरमिरी में लगातार पीलिया के मरीजों की संख्या बढ़ते क्रम में नजर आ रही है। जिला वासियों के लिए यह चिंता का विषय नजर आ रहा है।

# तहसीलदारों की हड़ताल से राजस्व काम ठप्प

## तहसील कार्यालयों में छाई वीरानी, फाइलों के लग रहे ढेर

**मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)।** 17 सूत्रीय मांगों को लेकर तहसीलदार और नायब तहसीलदारों की प्रदेशव्यापी हड़ताल के दूसरे दिन भी तहसील कार्यालयों में वीरानी छाई रही। तहसील कार्यालयों में राजस्व संबंधी कोई कार्य नहीं हुआ। कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा संघ ने पहले ही संसाधन नहीं तो काम नहीं का ऐलान कर अपनी मांगों को लेकर 28 जुलाई से 30 जुलाई तक काम बंद हड़ताल की जानकारी शासन को दे दी थी।

संघ के जिलाध्यक्ष प्रकाश साहू ने बताया कि आंदोलन के तहत दूसरे दिन भी कामकाज ठप रहा। आय, जाति, निवास, खसरा खतौनी से लेकर सीमांकन आदि के कार्य नहीं हुए। बिलासपुर संभाग के 160 से अधिक राजस्व अधिकारियों ने मंगलवार को मुंगेली नाका चौक प्रगति मैदान में धरना प्रदर्शन में हिस्सा लिया। उन्होंने राज्य सरकार से शासकीय संसाधन उपलब्ध कराने की मांग की है। अधिकारियों का कहना है कि जब तक उनकी मांग पूरी नहीं होगी, यह आंदोलन अनिश्चितकाल तक चलता रहेगा।

**ऑनलाइन कामकाज के लिए ऑपरेटर की भी मांग:** कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा संघ के प्रदेश अध्यक्ष केके लहरे ने कहा कि पिछले कई सालों से वे तहसील कार्यालय में आवश्यक संसाधन की मांग कर रहे हैं। उन्होंने पदोन्नति में 50प्रतिशत भर्ती तहसीलदारों की करने और तहसील कार्यालय में ऑनलाइन कामकाज के लिए ऑपरेटर की भी मांग की है।

उन्होंने कहा कि जब शासन की ओर लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत ऑनलाइन कामकाज के तहत प्रकरणों का निपटारा 15 दिन से 45 दिनों में करने के निर्देश हैं। तब संसाधन नहीं होगा तो काम कैसे होगा। लेकिन राज्य सरकार उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दे रही है। राजस्व कार्यालय में पक्षकार भटकते रहे। उन्हें 20 दिन बाद की पेशी की तारीख दी जा रही है। दो दिन की हड़ताल में तहसील कार्यालय में फाइलों के ढेर लग गए हैं।

## प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की छत से टपक रहा पानी, मरीज और स्टाफ खतरे में

**मीडिया ऑडीटर, कोरबा (निप्र)।** जिले के हरदीबाजार विकासखंड पाली अंतर्गत ग्राम पंचायत हरदीबाजार का प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जर्जर हालत में है। भवन की छत और दीवारों से पानी रिस रहा है। इससे वार्ड में रखे बिस्तर और फर्श गीले हो रहे हैं। सीलिंग और पंखों में पानी के रिसाव से करंट आने का खतरा भी बना हुआ है। इससे मरीजों को भर्ती करने और उनका इलाज करने में गंभीर समस्याएं पैदा हो रही हैं।

**90 मीटर की दूरी पर कोयला खदान:** स्वास्थ्य केंद्र से मात्र 90 मीटर की दूरी पर दीपका कोयला खदान स्थित है। खदान में होने वाली भारी ब्लास्टिंग के कारण गर्मियों में छत का प्लास्टर गिरने की घटना हो चुकी है। उस समय भर्ती मरीज और कर्मचारी बाल-बाल बचे थे।

अब बारिश के मौसम में छत से पानी टपकने के कारण प्रसूति वार्ड में माताओं और नवजात शिशुओं को भर्ती करना जोखिम भरा हो गया है। डॉक्टर और कर्मचारी भी इस स्थिति से चिंतित हैं कि कहीं कोई बड़ा हादसा न हो जाए।

**कभी भी गिर सकता है छज्जा:** स्थानीय लोगों का कहना है कि रात में अचानक बीमार पड़ने या प्रसव के लिए लोग अस्पताल आते हैं। लेकिन उन्हें हमेशा यह डर सताता रहता है कि कभी भी छज्जा गिर सकता है। बारिश के मौसम में यह समस्या और भी गंभीर हो जाती है।

**उच्च अधिकारियों को कराया गया है अवगत:** सहायक चिकित्सक डॉ. युधेश सांडे ने बताया कि मरीज भर्ती वार्ड में छत और दीवारों से पानी टपक रहा है। इससे बिस्तर और फर्श गीले हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस समस्या के बारे में उच्चाधिकारियों को पहले ही सूचित किया जा चुका है।

# पुलिस की चालानी कार्रवाई, बिना हेलमेट के बाइक चलाने पर 500 रुपए जुर्माना

**मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)।** जिला मुख्यालय मनेंद्रगढ़ में बुधवारी हॉट बाजार के दिन सिटी कोतवाली पुलिस ने चालानी कार्रवाई की। बिना हैलमेट पहने बाइक चलाने वालों पर 500 रुपए चालानी कार्रवाई की गई। लेकिन बिना ड्राइविंग लाइसेंस, बिना बीमा और नाबालिग वाहन चालकों के परिजनों को न्यायालय में पेश किया गया।

जहां एक ओर बाइक सवारों पर चालानी कार्रवाई की जा रही है। वहीं दूसरी ओर बुधवारी हॉट बाजार होने के कारण मनेंद्रगढ़ से लगे ग्रामीण क्षेत्रों से आये ग्रामीणों और बाजार में फुटकर दुकान लगाने वालों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

नाबालिगों के बाइक चलाने से हो रहे हादसे

इस कार्रवाई को लेकर सिटी कोतवाली प्रभारी सुनील तिवारी ने बताया की लगातार शिकायतों और एसपी चंद्रमोहन सिंह के निर्देश पर कार्रवाई की जा रही है। अमूमन देखा जा रहा कि बिना हेलमेट और नाबालिग गाड़ियां चला रहे हैं। जिससे लगातार सड़क दुर्घटना भी हो रही है। इसे देखते हुए चालानी कार्रवाई की जा रही है।

बिना हेलमेट पर 500 रुपए चालानी कार्रवाई

बिना हेलमेट वाहन चालकों को 500 रुपए का चालान काटकर छोड़ा गया। बाकी मामलों में सभी को न्यायालय में पेश किया जाएगा। थाना प्रभारी ने कहा कि नाबालिग के परिजनों पर प्रथम बार दस हजार और दूसरी बार तीस हजार की चालानी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही बिना ड्राइविंग लाइसेंस और बिना बीमा वालो के खिलाफ 5500 की चालानी कार्रवाई की जाएगी।

## गुजरात जाने के लिए निकला चावल से भरा ट्रक गायब

### 2 आरोपी गिरफ्तार, 600 बोरी चावल और वाहन जब्त

**मीडिया ऑडीटर, जांजगीर-चांपा (निप्र)।** लाखों रुपए के चावल की चोरी के मामले में अकलतरा पुलिस और साइबर सेल की टीम को बड़ी सफलता मिली है। रसिक बिहारी फूड्स प्रा. लि. के संचालक द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत पर पुलिस ने कार्रवाई की। पुलिस ने सीधी और सिंगरौली (मध्य प्रदेश) के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, चावल से लदा ट्रक फर्जी नंबर प्लेट और दस्तावेजों के साथ वापी (गुजरात) जाने के बजाय रास्ते में ही गायब हो गया था।

**100 सीसीटीवी फुटेज चेक करने पर मिला सुराग:** पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। करीब 100 से अधिक सीसीटीवी फुटेज की जांच कर आरोपियों तक पहुंचने में सफलता मिली। मुख्य आरोपी बृजेश साहू और कमलेश गुप्ता ने मिलकर ट्रक को सीधी (मध्य प्रदेश) में छिपा दिया था।कुकदूर के पास ट्रक खराब होने पर उसमें लदा माल दूसरे वाहन से मध्य प्रदेश भेजा गया था। एक स्कॉर्पियो वाहन से आरोपियों ने रास्तों की रेकी भी की थी। पुलिस ने ट्रक, स्कॉर्पियो और चोरी का माल 600 बोरी चावल बरामद कर लिया है।

# नशा करना शान की बात नहीं' पर कार्टून प्रतियोगिता, बच्चों को मिला कैश प्राइज

### दुर्ग-भिलाई और महासमुंद से आए बच्चों ने लिया भाग

**मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)।** राजधानी रायपुर में 29 जुलाई को समाज कल्याण विभाग की ओर से %नशा करना शान की बात नहीं% पर कार्टून प्रतियोगिता आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में अतिथि के रूप में सीएसआईडीसी के चेयरमैन राजीव अग्रवाल, बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष वर्णिका शर्मा, अपैक्स बैंक के अध्यक्ष केदार गुप्ता और अल्प संख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत छाबड़ा मौजूद रहे। इस कार्टून प्रतियोगिता में 1500 रुपए का प्रथम पुरस्कार अपेक्षा ठाकुर को, 1400 रुपए का द्वितीय पुरस्कार सौम्या देशमुख और 1100 रुपए का तृतीय पुरस्कार प्रतिभा बघेल को अतिथियों की ओर से दिया गया।

प्रतियोगिता में प्रथम तीन पुरस्कार के अलावा 40 प्रतिभागियों को 400 रुपये नगद के विशेष पुरस्कार दिए गए। सभी प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट और कार्टून वॉच के विशेषांक की प्रति भी प्रदान की गई। कार्टून वॉच के संपादक त्र्यंबक शर्मा ने बताया कि इस प्रतियोगिता में रायपुर, दुर्ग, भिलाई और महासमुंद आदि से भी बच्चों ने भाग लिया। इस अवसर पर साहित्य आयोग के अध्यक्ष शशांक शर्मा रवि तिवारी, जोसफ जॉन, संजीव गुप्ता, सुयश शुक्ला, संघर्ष यदु, अजय सक्सेना, रवि गहलोत, निशित ठाकुर, शशि दूबे, आरती शर्मा, अक्षत सिंह सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

# रामलला दर्शन के लिए जिले से 52 श्रद्धालुओं का दल अयोध्या के लिए हुआ रवाना

**मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)।** छत्तीसगढ़ शासन द्वारा प्रारंभ श्री रामलला दर्शन योजना के अंतर्गत मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले से चयनित 57 श्रद्धालुओं में से 52 श्रद्धालुओं का दल आज प्रात: कलेक्टर कार्यालय परिसर मनेन्द्रगढ़ से अयोध्या धाम के लिए रवाना हुआ। यह दल अम्बिकापुर रेलवे स्टेशन से विशेष ट्रेन द्वारा श्रीरामलला के दर्शन के लिए पावन अयोध्या भूमि की यात्रा करेगा। राज्य शासन की इस महत्वपूर्ण योजना का उद्देश्य प्रदेश के श्रद्धालुओं को निःशुल्क अयोध्या यात्रा का सौभाग्य प्रदान करना है। योजना के तहत श्रद्धालुअबों को श्री राम जन्मभूमि मंदिर के दर्शन के साथ ही आवास, भोजन, सुरक्षा और चिकित्सकीय सुविधा सहित पूर्ण यात्रा पैकेज उपलब्ध कराया जा रहा है।

इस अवसर पर कलेक्टर डी. राहुल वेंकट एवं जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी अंकिता सोम शर्मा ने श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं देते हुए उन्हें भक्ति भाव से यात्रा करने करने लिए आग्रह किया। अधिकारियों ने यात्रा की समस्त तैयारियों की स्वयं निगरानी करते हुए श्रद्धालुओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह यात्रा उनके जीवन की सबसे बड़ी आध्यात्मिक उपलब्धि है। आर्थिक कारणों से अयोध्या जाना संभव नहीं था, लेकिन शासन की इस योजना से उनका रामलला दर्शन का सपना साकार हो गया। श्री रामलला दर्शन योजना न केवल धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों के प्रति लोगों की आस्था को सुदृढ़ करती है, बल्कि सामाजिक समरसता और हमारी सांस्कृतिक विरासत को भी पुनर्स्थापित करती है। इस यात्रा में टूर गाइड, सुरक्षा बल और चिकित्सा दल की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है, ताकि श्रद्धालुओं को हर स्तर पर सहायता मिल सके।

इस अवसर पर कलेक्टर कार्यालय परिसर में श्रद्धालुओं का उत्साह देखने लायक था। सभी श्रद्धालु जय श्रीराम के नारों के साथ भाव-विभोर होकर अयोध्या धाम की ओर प्रस्थान कर गए।

# सर्पदंश की घटनाओं के नियंत्रण के लिए एंटीवेनम की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश

**राजगढ़, (एजेंसी)।** वर्षाकाल के दृष्टिगत सर्पदंश की घटनाओं के नियंत्रण एवं बेहतर प्रबंधन के लिए जिले की सभी शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं को को एंटी वेनम की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। सीएमएचओ सुधीर डेहरिया ने बताया कि सर्पदंश की घटनाओं से होने वाली हानि के रोकने के लिए जिले की सभी स्वास्थ्य संस्थाओं को निर्देशित किया गया है कि वे अपनी संस्था में एंटी वेनम का आवश्यकतानुसार 03 माह का स्टॉक उपलब्ध रखें। ताकि सर्पदंश के बाद जल्द से जल्द मरीज को एंटी वेनम दिया जा सके और उनकी जान बचाई जा सके। स्वास्थ्य विभाग द्वारा आमजनों से यह अपील की गई है कि यदि सर्पदंश की घटना होती है तो तुरंत अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर जल्द से जल्द एंटी वेनम लें , ताकि जानमाल के खतरे को रोका जा सके। इसके साथ ही सर्पदंश होने पर मरीज को झाड़-फूंक या देसी इलाज की बजाय तुरंत अस्पताल पहुंचाया जाये, क्योंकि पहला एक घंटा गोल्डन आवर होता है, जिसमें मरीज की जान बचाने की संभावना अधिक से अधिक होती है। उल्लेखनीय है कि वर्षा ऋतु में सांपों के प्राकृतिक आवासों में जलभराव हो जाने से वे मानव बस्तियों की ओर आ जाते हैं, जिससे सर्पदंश की घटनाएं बढ़ जाती हैं। ग्रामीण क्षेत्रों, खेतों, नदी किनारे एवं बस्तियों की परिधियों में यह खतरा अधिक होता है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा सर्पदंश से बचाव के लिए उपाय बताए गए हैं। सर्पदंश से बचाव के लिए खेत और जंगल में काम करते समय मोटे जूते और दस्ताने अवश्य पहनें। घरों के आस-पास सफाई रखें और घास तथा झाड़ियों से साफ सफाई रखें ताकि विषैले जीव न छुप सके।

# मकान गिरने से दो लोगों के दुखद निधन

**ग्वालियर, (एजेंसी)।** अति वर्षा के चलते ग्वालियर शिंदे की छावनी स्थित गैंडे वाली सड़क पर एक पक्का मकान गिरने से दो लोगों के दुखद निधन की सूचना प्राप्त होने पर कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने मौके पर पीड़ित परिवार को शासन प्रशासन की ओर से नियमानुसार हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

ज्ञात हो कि आज मंगलवार को देर शाम अति वर्षा के चलते गैंडे वाली सड़क पर हुए हादसे को लेकर जिला प्रशासन, नगर निगम एवं पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी पहुंच गए हैं तथा राहत एवं बचाव का कार्य जारी है। हादसे में राधा 17 साल एवं श्री रितेश 35 साल के निधन की जानकारी प्राप्त हुई है।

# निगम अधिकारी/कर्मचारियों की भी होगी पदोन्नति

**इन्दौर, (एजेंसी)।** आयुक्त श्री शिवम वर्मा के निर्देश अनुसार नगर निगम इंदौर के अधिकारी-कर्मचारियों को भी पदोन्नति आगामी दिनों में की जाना है, इसके लिए शासन निर्देश के क्रम में नगर निगम, इंदौर में पदोन्नति के लिए विभागों में संवर्गवार कार्यरत अधिकारी/कर्मचारी की अनंतिम सूची का प्रकाशन किया गया। इसी क्रम में गत दिवस को अपर आयुक्त (स्थापना)के द्वारा सभी विभाग प्रमुखों की बैठक आयुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में की गई। जिसमें संवर्गवार पदों की जारी अनंतिम सूची की जानकारी देते हुए प्रत्येक कर्मचारी को सूची अवलोकन कराते हुए 15 दिवस की समयावधि में दावें आपत्ति मय आपत्ति संबंधित सहपत्रों के विभाग प्रमुख की अनुशंसा के साथ प्रस्तुत करने हेतु निर्देश दिये गये।

# सिंगल यूज प्लास्टिक पर निगम की कार्यवाही

**इन्दौर, (एजेंसी)।** आयुक्त श्री शिवम वर्मा के निर्देशानुसार नगर निगम द्वारा शहर में सिंगल यूज प्लास्टिक के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत विगत दिवस झोन क्रमांक 18, वार्ड क्रमांक 63, लोहा मंडी क्षेत्र में बड़ी कार्यवाही की गई। अपर आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा के मार्गदर्शन में की गई इस कार्यवाही में क्षेत्र स्थित एक गोडाउन में अवैध रूप से संग्रहित सिंगल यूज प्लास्टिक पाए जाने पर 300 किलोग्राम अमानक प्लास्टिक सामग्री जब्त की गई। साथ ही गोडाउन मालिक राहुल रोड यादराम पटेल के विरुद्ध 60 हजार रुपये का स्पॉट फाईन भी अधिरोपित किया गया। नगर निगम प्रशासन लगातार सिंगल यूज प्लास्टिक के उत्पादन, संग्रहण, उपयोग एवं विक्रय के विरुद्ध सख्त कदम उठा रहा है। यह कार्यवाही पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छ इंदौर के लक्ष्य की दिशा में एक अहम पहल है। कार्यवाही के दौरान स्वास्थ्य अधिकारी श्री राजेश जायसवाल, सीएसआई श्री विनय मिश्रा, सहायक सीएसआई श्री राहुल लोट, फीडबैक फाउंडेशन (एनजीओ संस्था) जोनल हेड श्री सुरेश चौहान , सहायक दरोगा श्री सोनू उठवाल निगम की अन्य टीम सदस्यगण उपस्थित थे। नगर निगम इंदौर आम नागरिकों से अपील करता है कि सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करें और पर्यावरण के संरक्षण में अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

## घरेलू गैस सिलेण्डर का कमर्शल उपयोग करने पर तीन को कारण बताओ नोटिस जारी

**राजगढ़, (एजेंसी)।** कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी नरसिंहगढ़ द्वारा गत दिवस कुरावर में जीन मोहल्ला स्थित प्रतिष्ठान राठौर मिर्ची भण्डार का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान दुकान में मारूति ईको , इण्डियन ऑयल कंपनी के घरेलू गैस सिलेण्डर, नियो कंपनी की विद्युत मोटर की सहायता से भरते हुए पाए गए और मौके पर इण्डियन ऑयल कंपनी के 5 घरेलू सिलेण्डर, नियो कंपनी की 2 विद्युत मोटर मय नोजल व पाईप पाए गए। मौके पर गैस कनेक्शन के संबंध में कोई वैध दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए गए। उक्त सामग्री वाहन जप्त किया गया। उक्त कृत्य द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस प्रदाय और वितरण विनियम ओदश आवश्यक वस्तु अधिनियम 1985 की धारा 3/7 के अंतर्गत होने दण्डनीय है। उक्त कार्यवाही में श्री अमन राठौर निवासी राठौर मिर्ची भण्डार जीन मोहल्ला कुरावर, श्री पवन राठौर निवासी लसूड़लिया रामनाथ तथा श्री प्रदीप मीणा निवासी छापरी दोराहा को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। उक्त तीनों अपना लिखित उत्तर 05 अगस्त 2025 को सायं 04 बजे कलेक्टर के समक्ष स्वयं उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। नियम दिनांक को उत्तर प्रस्तुत न करने की दशा में आपके विरूद्ध एक पक्षीय कार्यवाही की जाकर लगाए गए आरोप आपको स्वीकार होगे। जिसका सम्पूर्ण उत्तरदायित्व आपका होगा।

## 5 स्कूलों के लिए मिली 3.61 करोड़ रूपये की सौगात

**राजगढ़, (एजेंसी)।** ब्यावरा विधानसभा क्षेत्र के शैक्षणिक ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए प्रदेश सरकार के राज?यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास विभाग श्री नारायण सिंह पंवार के निरंतर प्रयासों से पांच शासकीय विद्यालयों को लगभग 3 करोड़ 61 लाख रुपए से अधिक की राशि स्वीकृत हुई है। इस स्वीकृत बजट से गवर्मेंट हाइयर सेकेंडरी स्कूल मलावरऔर ग्राम जड़कड़ियाखेड़ी, सेमलापार, नापानेरा, बैरसिया के गवर्मेंट हाई स्कूल में 15 अतिरिक्त कक्ष और 6 प्रयोगशालाओं का निर्माण किया जाएगा।जिससे छात्रों को बेहतर शिक्षा, वातावरण एवं प्रयोगात्मक अधिगम का अवसर मिलेगा। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री पंवार ने बताया कि यह राशि स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा स्वीकृत की गई है।जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार शिक्षा को प्राथमिकता देती हैऔर यह सौगात बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की नींव को और मजबूत करेगी। आने वाले समय में अन्य विद्यालयों के उन्नयन के लिए भी लगातार प्रयास जारी रहेंगे।

# इंदौर जिले में राजस्व प्रकरणों के त्वरित निराकरण के लिए विशेष राजस्व महा अभियान का सफल क्रियान्वयन

**इन्दौर, (एजेंसी)।** कलेक्टर श्री आशीष सिंह की पहल पर राजस्व प्रकरणों के त्वरित निराकरण के लिये इंदौर जिले में राजस्व के विशेष महा अभियान का प्रभावी एवं सफल क्रियान्वयन हुआ। अभियान से किसानों और भू-स्वामियों को बड़ी राहत मिली है। अभियान के अंतर्गत तेजी से राजस्व प्रकरण निराकृत किये गए। अभियान के तहत जिले में 31 मई, 2025 तक लंबित शत-प्रतिशत प्रकरणों के निराकरण का लक्ष्य रखा गया था। इस लक्ष्य को पूर्ण कर लिया गया है और आरसीएमएस तथा लोक सेवा ग्यारंटी अधिनियम के तहत दर्ज लगभग सभी राजस्व प्रकरण उक्त अवधि के निराकृत हो गए है। जिले में उक्त अवधि के राजस्व प्रकरण निराकृत नहीं होने की सूचना देने वाले आवेदकों को 5 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जायेगी। यह जानकारी आज यहाँ कलेक्टर श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई राजस्व अधिकारियों की बैठक में दी गई। बैठक में अपर कलेक्टर श्री गौरव बैनल, श्री रिकेंश वैश्य तथा श्री रोशन राय सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। बैठक में कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने राजस्व महा अभियान की प्रगति की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान बताया गया कि इन्दौर जिले के नागरिकों को राजस्व संबंधित समस्याओं के त्वरित निराकरण एवं राजस्व अभिलेखों को अद्यतन करने के उद्देश्य से सम्पूर्ण जिले में विगत 16 जून से 31 जुलाई 2025 का विशेष राजस्व अभियान का आयोजन किया गया। अभियान में 31 मई 2025 तक आरसीएमएस में दर्ज प्रकरण तथा इस अवधि तक लोक सेवा केन्द्र में प्राप्त नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, बटांकन, रास्ता विवाद, कब्जा विवाद, अभिलेख दुरूस्ती के शत-प्रतिशत आवेदन पत्रों का 31 जुलाई 2025 तक किया जाना था।

बैठक में समीक्षा के दौरान पाया गया कि इस अवधि में नामांतरण के 5079 प्रकरण, बंटवारा के 642 प्रकरण, सीमांकन के 2305 के प्रकरण, बटांकन के 1994 प्रकरण, रास्ता विवाद के 209 प्रकरण, कब्जा विवाद 271 प्रकरण तथा अभिलेख दुरूस्ती के 1404 प्रकरणों का निराकरण कर दिया गया है।

इस तरह जिले में अभियान के तहत कुल 11 हजार 904 राजस्व प्रकरणों का निराकरण किया गया है। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने बताया कि अभियान की समाप्ति पश्चात 31 जुलाई 2025 के बाद जिस भी नागरिक द्वारा 31 मई 2025 के पूर्व के लंबित प्रकरणों की सूचना लोक सेवा केन्द्र की पावती अथवा आरसीएमएस के प्रकरण क्रमांक के साथ कलेक्टर कार्यालय इन्दौर के काल सेंटर जिसका फोन नंबर 0755-2840621 पर दी जाती है अथवा कक्ष क्रमांक जी-12 ए में प्रदान की जाती है, उन्हें पुरस्कार स्वरूप 5 हजार रुपये की राशि प्रदाय की जायेगी, जिसकी वसूली संबंधित राजस्व अधिकारी से की जायेगी। बैठक में कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने सभी राजस्व अधिकारियों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि अभियान के लक्ष्य को तत्परता के साथ राजस्व अधिकारियों ने पूर्ण किया है। उन्होंने आगामी समय में भी राजस्व प्रकरणों का निराकरण अभियान मोड में करने के निर्देश दिये है।

## बगैर हेलमेट पहने दो पहिया वाहन चालकों को पेट्रोल पम्पों से नहीं मिलेगा पेट्रोल

**इन्दौर, (एजेंसी)।** इंदौर जिले में अब बगैर हेलमेट पहने दो पहिया वाहन चालकों को पेट्रोल पम्प से पेट्रोल नहीं दिया जायेगा। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री आशीष सिंह ने प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। यह आदेश एक अगस्त 2025 से लागू होगा। उक्त आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा अधिनियम 2023 की धारा 163 के तहत जारी किया गया है। जारी आदेश के अनुसार इंदौर जिले में ऐसे दो पहिया वाहन चालक, जिनके द्वारा हेलमेट धारण नहीं किया है, उन्हें किसी भी पेट्रोल पम्प द्वारा पेट्रोल का प्रदाय नहीं किया जायेगा। इस आदेश के उल्लंघन की दशा में संबंधित पेट्रोल पम्प के विरूद्ध कानूनी कार्यवाही की जायेगी। यह आदेश एक अगस्त 2025 से लागू होकर 29 सितम्बर 2025 तक प्रभावशील रहेगा। इसका उल्लंघन करने वाले व्यक्ति/संस्था/संचालक के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के अन्तर्गत कार्यवाही की जायेगी। उपर्युक्त प्रतिबन्ध मेडिकल संबंधी मामलों व आकस्मिक स्थिति में लागू नहीं होगा। यह प्रतिबन्ध अन्य किसी नियम/आदेश के प्रतिबन्धों के अतिरिक्त होंगे । समय-समय पर समाचार पत्रों तथा विगत वर्षों में इन्दौर जिले में हुई सड़क दुर्घटनाओं में हो रहीं निरन्तर वृद्धि तथा इनमें होने वाली क्षति के सन्दर्भ में यह तथ्य ध्यान में लाया गया कि दोपहिया वाहनों के वाहन चालक द्वारा यदि हेलमेट लगाया जाये तो निश्चित ही इन सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु एवं घायलों की संख्या में कमी लाई जा सकती है। इस संबंध में गत दिवस इन्दौर में आयोजित सुप्रीम कोर्ट कमेटी ऑन रोड सेफ्टी द्वारा ली गई बैठक में इस बिन्दु पर विस्तृत रूप से विचार-विमर्श किया गया। वाहन चालकों द्वारा यदि हेलमेट लगाया जाता है तो इससे निश्चित् रूप से इन सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु एवं घायलों की संख्या में कमी आ सकती है। इस संबंध में समय-समय पर केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा भी निर्देश दिये गये है। साथ ही मध्यप्रदेश मोटर यान अधिनियम 1988 की धारा-129 में स्पष्ट प्रावधान है कि प्रत्येक दो पहिया वाहन सवारी तथा वाहन चालक अनिवार्य रूप से आई.एस.आई. मार्क हेलमेट(सुरक्षात्मक टोप) पहनेगा। बिना हेलमेट धारण किये चलने वाले दो पहिया वाहन चालकों की सड़क में दुर्घटना एवं असामायिक मृत्यु होने का खतरा बना रहता है।

# नशामुत जिला हेतु आवाज को बुलंर करें-कलेटर

**अशोक नगर, (एजेंसी)।** जिला अशोकनगर को नशामुक्त जिले के रूप में स्थापित करने हेतु नशे से दूरी है जरूरी की आवाज को बुलंद की जाए। साथ ही जिले के जिम्मेदार नागरिक नशे के खिलाफ अपनी महती भूमिका का निर्वहन कर जिले को नशामुक्त बनाने में योगदान दें। यह बात कलेक्टर श्री आदित्य सिंह ने बुधवार को जिला मुख्यालय स्थित मुस्कान पैलेस में नशे से दूरी है जरूरी विशेष जनजागरूक अभियान के समापन कार्यक्रम के अवसर पर कही। कार्यक्रम में कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि नशा मनुष्य को खोखला कर देता है। साथ ही स्वास्थ्य,समाज तथा आर्थिक नुकसान भी होता है। इस बुराई को जड़ से मिटाने के लिए हम सभी को सार्थक प्रयास करने होगें। आज के युवाको नशे की गिरफ्त से बचाना होगा। नशा विरोधी गतिविधियों एवं कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को जागरूक कर नशामुक्ति का संदेश दें। नशे के दुष्परिणामों के बारे में युवाओं को अवगत कराकर समाज निर्माण में सहयोग करने हेतु प्रेरित किया जाए। नशे की प्रवृत्ति युवाओं के लिए गंभीर चुनौती है।

युवा पीढ़ी का भविष्य नशे के कारण खतरे में पड रहा है। इसे बचाना हम सभी का दायित्व है। पुलिस अधीक्षक श्री विनीत कुमार जैन ने नशे से दूरी है जरूरी अभियान अंतर्गत 15 दिवसीय कार्यक्रमों का प्रतिवेदन प्रस्तुत

किया। उन्होंने बताया कि जिले में पुलिस महानिदेशक के निर्देशानुसार नशे के विरूद्ध विभिन्न कार्यक्रमों तथा गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस दौरान जनप्रतिनिधियों,विभिन्न विभागों तथा समाजसेवियों एवं संगठनों के सहयोग से जागरूकता अभियान,नुक्कड़ नाटक,बाईक रैली का आयोजन किया गया। नशा करने वालों को समझाईश दी गई। स्कूलों,कॉलेजों तथा जेल में 220 जागरूकता के कार्यक्रम किए गए।इस दौरा 25 हजार लोगों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम में नगरपालिका अध्यक्ष श्री नीरज मनोरिया ने कहा कि नशा,पैसा,शरीर एवं परिवार को बर्वाद कर देता है।

# ओवल में अब तक दो मैच ही जीती है भारतीय टीम

**मुम्बई ( एजेंसी )।** भारत और इंग्लैंड के बीच द ओवल में होने वाला टेस्ट सीरीज का पांचवां मैच 31 जुलाई से शुरु होगा। इस मैच में भारतीय टीम का लक्ष्य जीत हासिल कर सीरीज बराबरी पर लाना रहेगा। अभी भारतीय टीम 1-2 से पीछे है। ऐसे में ये मैच बेहद अहम रहेगा। वहीं अगर आंकड़ों पर नजर डालें तो भारतीय टीम इस मैदान पर केवल दो ही मैच जीती है जिससे उसकी दावेदारी कमजोर नजर आती है। भारतीय टीम ने केनिंगटन ओवल के मैदान पर 15 टेस्ट मैच खेले हैं। इसमें से भारतीय टीम ने इनमें से 2 मैच जीते हैं, जबकि 6 में उसे हार का सामना करना पड़ा है. वहीं सात मैच ड्रॉ रहे हैं। भारत ने यहां पिछला मैच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डब्ल्यूटीसी फाइनल खेला था और इस मैच में भारतीय टीम को हार मिली थी। भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ ओवल के मैदान पर 14 टेस्ट मैच खेले हैं। टीमों के बीच पिछला मुकाबला 2023 में हुआ था। इसमें विराट कोहली की कप्तानी में उतरी भारतीय टीम ने यह मुकाबला 157 रन से जीता था। भारत ने इससे पहले 1971 में

अजित वाडेकर की कप्तानी में ओवल में टेस्ट मैच जीता था। साल 1971 में भारतीय टीम पहली बार इंग्लैंड से टेस्ट सीरीज जीतकर स्वदेश लौटी थी। इंग्लैंड की टीम इस मैदान पर भारत से पांच बार जीती है। भारतीय टीम सबसे पहले यहां 1936 में हारी थी। तब मेजबान इंग्लैंड ने 9 विकेट से जीत दर्ज की थी। इंग्लैंड ने इसके बाद 1959 में भारत को यहां पारी और 27 रन से हराया। इंग्लैंड को इसके बाद 2011 तक इंतजार करना पड़ा। साल 2011 में इंग्लैंड यहां पारी और 8 रन से जीता। वहीं साल 2014 में उसने भारतीय टीम को पारी व 244 रन से हराया। साल 2018 में भारत ओवल में 118 रन से हार गया। ये मैदान बड़े स्कोर के लिए जाना जाता है। भारतीय टीम यहां दो बार एक पारी में 600 से ज्यादा रन बना चुकी है। टीम इंडिया ने 2007 में राहुल द्रविड़ की कप्तानी में यहां 664 रन का स्कोर बनाया था। इससे पहले 1990 में भारतीय टीम ने यहां 9 विकेट पर 606 रन बनाये थे।

## ओवल में मिल सकता है अभिमन्यु को अवसर

**इंग्लैंड ( एजेंसी )।** बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन को इंग्लैंड दौरे पर अब तक एक भी मैच में अवसर नहीं मिला है। अभिमन्यु पिछले चार साल से टीम के साथ हैं पर उन्हें अब तक डेब्यू का मौका नहीं मिला है जबकि उनका घरेलू क्रिकेट का रिकार्ड अच्छा है। इंग्लैंड लायंस के खिलाफ भी अभिमन्यु ने भारत ए टीम की कप्तानी की थी। उसके सामने ही 15 खिलाड़ियों को डेब्यू का अवसर मिल है पर वह बैंच पर ही बैठा अपनी बारी का इंतजार करता रह गय है। इस दौरान तीन कोच और कप्तान तक बदले हैं पर किसी ने भी उसे अवसर नहीं दिया है। वहीं अब 31 जुलाई से ओवल में होने वाले पांचवे व अंतिम टेस्ट में अभिमन्यु को अवसर मिल सकता है। इस मैच में अगर करुण नायर बाहर रहे तो अभिमन्यु को उनकी जगह मिल सकती है। इस बल्लेबाज ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 27 शतक दर्ज हैं और 7,841 रन बनाये हैं। वहीं 31 अर्धशतक भी उनके नाम हैं। अभिमन्यु ईश्वरन के रिकॉर्ड को देखें तो वह इस सीरीज में डेब्यू करने वाले साई सुदर्शन के घरेलू रिकॉर्ड से कहीं आगे हैं। सुदर्शन ने अभी तक कुल 30 फर्स्ट क्लास मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 36 की औसत से खेलते हुए 1987 रन बनाए हैं। वहीं, अभिमन्यु का बैटिंग औसत 103 मैच खेलने के बावजूद 54 का है। 51 पारियों में सुदर्शन सिर्फ 7 शतक और 5 अर्धशतक ही लगा सके हैं। अनुभव से लेकर बल्लेबाज रिकॉर्ड तक में अभिमन्यु सुदर्शन से कहीं ज्यादा आगे हैं। वहीं पूर्व क्रिकेटर सबा करीम का ये मानना है कि सुदर्शन सिर्फ इसलिए लाइमलाइट में आ गए, क्योंकि आईपीएल 2025 में उनका प्रदर्शन जोरदार रहा था अब कोई टीम अभिमन्यु को आईपीएल में नहीं लेती तो इसका मतलब ये नहीं कि वो बल्लेबाज खराब है। अभिमन्यु ईश्वरन पिछले लगभग 4 साल से स्क्वॉड में आते हैं और पानी पिलाकर घर लौट जाते हैं।

## हांगकांग की टीम के कोच बने श्रीलंका के कौशल सिल्वा

**कोलंबो ( एजेंसी )।** श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर कौशल सिल्वा अब हांगकांग की पुरुष क्रिकेट टीम के नया मुख्य कोच की भूमिका में नजर आयेंगे। हांगकांग क्रिकेट बोर्ड ने एशिया कप 2025 को देखते हुए सिल्वा को कोच की जिम्मेदारी दी है। सिल्वा ओपनर और विकेटकीपर रहे हैं। अब वह एशिया कप से पहले हांगकांग की टीम को बेहतर प्रदर्शन के लिए टिप्स देंगे। एशिया कप 2025 में हांगकांग को ग्रुप बी में श्रीलंका, अफगानिस्तान और बांग्लादेश के साथ जगह मिली है। ऐसे में सिल्वा की जिम्मेदारी टीम को इन मुकाबलों के लिए तैयार करना रहेगा। सिल्वा के करियर की बात करें तो उन्होंने 2011 में पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया था।

वे 7 साल तक श्रीलंका की टेस्ट टीम का हिस्सा रहे। इस दौरान उन्होंने कुल 39 टेस्ट मैच खेले और 74 पारियों में 28.36 की औसत से 2099 रन बनाए। उनके नाम टेस्ट क्रिकेट में 3 शतक और 12 अर्धशतक दर्ज हैं। 2019 में क्रिकेट को अलविदा कहने के बाद वह कोच बन गये। उनके पासा श्रीलंका, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया में घरेलू टीमों की कोचिंग का अनुभव लिया हालांकि वह पहली बार किसी अंतरराष्ट्रीय टीम को कोचिंग देते नजर आएंगे। हांगकांग की टीम ने अब तक चार बार एशिया कप में भाग लिया है। हालांकि अब तक वह कोई विशेष प्रदर्शन नहीं कर पायी है। हाल ही में टीम ने एशिया पैसिफिक क्रिकेट चैंपियंस ट्रॉफी में हिस्सा लिया था। उस टूर्नामेंट के फाइनल में हांगकांग को मलेशिया से हार का सामना करना पड़ा था। अब टीम नए सिल्वा के नेतृत्व में एशिया कप 2025 में बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेगी।

## अगले माह ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी भारतीय पुरुष हॉकी टीम

**नई दिल्ली ( एजेंसी )।** भारतीय पुरुष हॉकी टीम 15 से 21 अगस्त तक पर्थ में होने वाली चार मैचों की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी। विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर काबिज भारतीय टीम 15, 16, 19 और 21 अगस्त तक होने वाले इन मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन कर आगामी एशिया कप के लिए अपनी तैयारियों को बेहतर करेगी। एशिया कप का आयोजन 29 अगस्त से 7 सितम्बर तक बिहार के राजगीर में होना है। एशिया कप इसलिए भी अहम है क्योंकि इसमें प्रदर्शन के आधार पर अगले वर्ष के एफआईएच विश्व कप में सीधे क्वालीफाई करने का अवसर मिलेगा। भारतीय टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने ऑस्ट्रेलिया दौरे केा लेकर कहा, ''यह दौरा बिहार में होने वाले हीरो एशिया कप से ठीक पहले होने से टीम ओ अपनी तैयारियों का आंकलन करने का बेहतर अवसर मिलेगा। ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम के खिलाफ खेलने से टीम को अपनी कमजोरियों के साथ ही अपनी क्षमताओं का भी पता चलेगा।'' हाल ही में यूरोप में एफआईएच प्रो लीग में भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया के हाथों करीबी हार को सामना करना पड़ा था।

## मुरली श्रीशंकर की नजरें विश्व चैंपियनशिप के लिए वालीफाई करने पर लगीं

**नई दिल्ली ( एजेंसी )।** भारत के लंबी कूद एथलीट मुरली श्रीशंकर की नजरे अब सितंबर में टोक्यों में होने वाली विश्व चैम्पियनशिप के लिए क्वालीफाई करने पर लगी है जिसके लिए क्वालीफिकेशन मार्क 8.27 मीटर है। इसके लिए वह अगले माह 14 अगस्त तक यूरोप और मध्य एशिया में टूर्नामेंट खेलेंगे । श्रीशंकर ने हाल ही में पुर्तगाल के माइया में विश्व एथलेटिक्स उपमहाद्वीपीय टूर के कांस्य स्तर के टूर्नामेंट में माइया सिडाडे डो डेसपोर्टो में 7.75 मीटर की कूद लगाकर खिताब जीता था। एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता श्रीशंकर ने शनिवार की रात को दूसरे दौर में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया। उन्होंने 7.63 मीटर की छलांग के साथ शुरूआत की और दूसरे दौर में 7.75 मीटर कीछलांग लगाई। तीसरी छलांग में उन्होंने 7.69 मीटर का फासला तय किया। अगला प्रयास फाउल रहा और इसके बाद 6.12 और 7.58 मीटर की कूद लगाई। पोलैंड के पियोत्र तारकोवस्की ने भी 7.75 मीटर की कूद लगाई लेकिन उनका दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रयास 7.58 मीटर था जो श्रीशंकर के 7.69 मीटर से कम था। विश्व एथलेटिक्स के नियमों के अनुसार अगर दो खिलाड़ियों में टाई होता है तो दूसरी वैध कूद को टाइब्रेकर माना जाता है। गौरतलब है कि घुटने की सर्जरी के कारण लंबे समय खेल से दूर रहे श्रीशंकर ने इस महीने की शुरूआत में इंडियन ओपन एथलेटिक्स मीट के जरिये वापसी की थी।

## जडेजा में विदेशी धरती पर जीत दिलाने की क्षमता नहीं : सिद्धू

**नई दिल्ली ( एजेंसी )।** भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा है कि मैनचेस्टर टेस्ट में ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा ने काफी अच्छी बल्लेबाज की है पर इसके बाद भी वह विदेशी धरती पर टीम को जीत दिलाने में सक्षम नजर नहीं आते है। सिद्धू ने विदेशी हालातों में मैच विजेता नहीं होने को जडेजा की कमजोरी बताया है। उन्होंने कहा कि स्टार ऑलराउंडर की ये अक्षमता पहले ही टेस्ट से नजर आ गयी थी। सिद्धू ने कहा, 'मैंने भी जडेजा की बहुत तारीफ की है पर वह महान ऑलराउंडर कपिल देव जैसे नहीं हैं। कपिल ने विदेश में भारतीय टीम को बहुत सारे टेस्ट जिताए। वहीं जडेजा ने विदेश में सहयोगी भूमिका में ही अच्छा प्रदर्शन किया है। वह अपने ओवरों को जल्दी करता है पर वह टेस्ट मैचों को जिताने में सक्षम नहीं है।' मैनचेस्टर टेस्ट में भारत की दूसरी पारी में जडेजा ने नाबाद 107 रन बनाए थे। उन्होंने मैच के अंतिम दिन वॉशिंगटन सुंदर के साथ मिलकर बड़ी साझेदारी कर इंग्लैंड के गेंदबाजों के जीत के सपने तोड़ दिये। जडेजा और सुंदर ने अपनी यादगार पारियों की बदौलत मैच ड्रॉ करा दिया। उन्होंने अंतिम दिन असमान उछाल भरी पिच पर इंग्लैंड के गेंदबाजों का पूरी ताकत से मुकाबला किया। इससे पहले लॉर्ड्स टेस्ट में भी जडेजा ने शानदार बल्लेबाजी कर अंत तक पारी संभाली थी। उन्होंने नाबाद 61 रन बनाए थे पर इसके बाद भी भारतीय टीम 22 रन से हार गयी। उस मैच के बाद जडेजा की रणनीति और उनके प्रदर्शन को लेकर बहस भी तेज हुई थी। ज्यादातर ने साहसिक रवैये की तारीफ की पर वह विशेषज्ञों का कुछ ने उनकी आलोचना की थी। तब रवि शास्त्री ने कहा था कि अगर अपनी बल्लेबाजी पर जडेजा को बेन स्टोक्स की तरह 40 फीसदी भी भरोसा होता तो वह टीम को जीत दिला देते।

## सुंदर की भूमिका अभी तक स्पष्ट नहीं : आकाश चोपड़ा

**नई दिल्ली ( एजेंसी )।** पूर्व किकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि स्पिन ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर ने इंग्लैंड दौरे में अच्छी बल्लेबाजी की है पर अभी तक ये स्पष्ट नहीं हुआ है कि उन्हें किस भूमिका के लिए रखा गया है। अभी तक ये तय नहीं किया गया है कि उन्हें स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर के तौर पर रखा गया है या बल्लेबाजी ऑलराउडर की भूमिका में। सुंदर ने इस सीरीज में गेंदबाजी में प्रभावित नहीं किया है हालांकि उनकी बल्लेबाजी अच्छी रही है। मैनचेस्टर में उन्होंने 101 रन बनाया और अपनी टीम के लिए मैच ड्रॉ कराने में अहम भूमिका निभाई। आकाश ने एक वीडियो में कहा, वॉशिंगटन सुंदर को बल्लेबाजी क्रम में प्रमोट किया गया। आप चाहते थे कि ऋषभ पंत को अधिक बल्लेबाजी ना करनी पड़े। अब, यह एक बड़ा सवाल है, क्योंकि जब आप चयन की बात करते हैं, तो आप क्या चाहते हैं, क्या आप एक ऐसा बल्लेबाज चाहते हैं जो गेंदबाजी कर सके, वहीं मुख्य रुप से एक ऐसा गेंदबाज जो बल्लेबाजी कर सके, आप एक खिलाड़ी के लिए किस तरह की भूमिका तय कर रहे हैं ये स्पष्ट किया जाना चाहिये। उन्होंने साथ ही कहा कहा, मुझे अब भी लगता है कि वॉशिंगटन सुंदर की भूमिका ठीक से साफ नहीं हो पा रही है, क्योंकि वह बहुत देर से गेंदबाजी के लिए आते हैं और बहुत कम गेंदबाजी करते हैं। गेंदबाज के तौर पर उन्होंने दो भी विकेट लिए हैं। वह एक अच्छे बल्लेबाज नजर आते हैं।

## अंतिम टेस्ट में ब्रैडमैन का रिकार्ड तोड़ सकते है शुभमन

**लंदन ( एजेंसी )।** भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल अब तक इंग्लैंड दौरे पर बेहद सफल रहे हैं। शुभमन ने हर मैच में एक नई उपलब्धि हासिल की है। अब उनके पास ओवल में 31 जुलाई से शुरु हो रहे अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच में एक और रिकार्ड अपने नाम करने का अवसर है। शुभमन ने इस सीरीज में अबतक चार शतक लगाने के साथ ही 700 से अधिक रन बनाये हैं। अब उन्हें एक सीरीज में सबसे अधिक रनों का ऑस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज सर डॉन ब्रैडमैन का रिकार्ड तोड़ने के लिए केवल 89 रनों की जरुरत है। शुभमन ने अब तक इस सीरीज में 722 रन बनाये हैं। वहीं ब्रैडमैन ने 88 साल पहले साल 1936/37 की एशेज सीरीज में 810 रन बनाए थे। भारतीय कप्तान 89 बनाते ही एक टेस्ट सीरीज में 811 रन बनाने वाले पहले कप्तान बन जाएंगे। ऐसे में शुभमन जब ओवल में खेलने के लिए उतरेंगे तो उनकी नजरें ब्रैडमैन से आगे निकलने पर रहेंगी। जिस प्रकार का प्रदर्शन उन्होंने तक किया है। उसको देखते हुए क्रिकेट प्रेमियों को पूरी उम्मीद है कि शुभमन सबसे अधिक रनों का रिकार्ड आसानी से बना देंगे। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में अब तक सिर्फ पांच कप्तान ऐसे रहे हैं जिन्होंने एक टेस्ट सीरीज में 722 या उससे ज्यादा रन बनाए हैं। शुभमन गिल इस लिस्ट में अब छठे पायदान पर हैं, पर वह अंतिम टेस्ट के बाद पहले नंबर पर पहुंच सकते हैं।

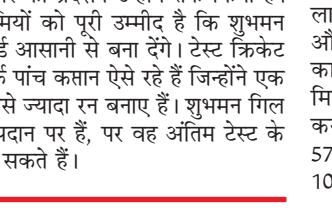

## शेयर बाजार मे रही तेजी के

**मुंबई ( एजेंसी )।** भारतीय शेयर बाजार बुधवार को बढ़त के साथा खुला। आज सुबह कारोबार के दौरान 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 168 अंक बढ़कर 81,506 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी तकरीबन 55 अंक ऊपर आकर 24,877 पर खुला। एलएंडटी के अच्छे तिमाही परिणामों के कारण शुरुआती कारोबार में इन्फ्रा शेयरों में बढ़त रही है और निफ्टी इन्फ्रा इंडेक्स 0.61 फीसदी ऊपर आया। आज सेक्टोरल आधार पर पीएसयू बैंक, फाइनेंशियल सर्विसेज, फार्मा, एफएमसीजी, मेटल, एनर्जी, प्राइवेट बैंक और इन्फ्रा शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। वहीं ऑटो, आईटी, रियल्टी, मीडिया और ऑयल एवं गैस के शेयर भी उछले। लार्जकैप की जगह मिडकैप और स्मॉलकैप में मिलाजुला कारोबार देखा गया। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 64 अंक करीब 0.11 फीसदी टूटकर 57,920 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 11 अंक बढ़कर

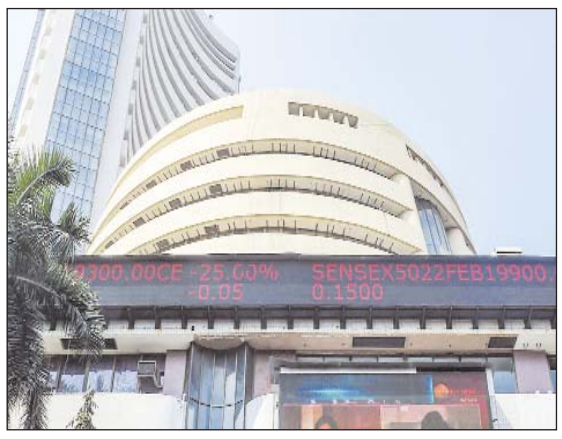

18,263 पर था। सेंसेक्स पैक में एलएंडटी, एशियन पेंट्स, एनटीपीसी, भारती एयरटेल, बजाज फिनसर्व, अल्ट्राटेक सीमेंट,सन फार्मा, टेक महिंद्रा, एक्सिस बैंक, बीईएल, एमएंडएम और मारुति सुजुकी के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे जबकि टाटा मोटर्स, इटरनल (जोमैटो), आईटीसी, टाइटन, आईसीआईसीआई बैंक, एचयूएस, टाइटन, इन्फोसिस और रिलायंस के शेयर नुकसान में रहे। आज एशिया के अधिकतर बाजारों में तेजी के साथ कारोबार हुआ। टोक्यो, शंघाई, बैंकॉक और सोल में शेयर हरे निशान में थे, जबकि हांगकांग और जकार्ता में नुकसान के साथ हीलाल निशान में थे। अमेरिकी बाजार गिरावट पर बंद हुआ। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बिकवाली का सिलसिला जारी रखते हुए 4,636 करोड़ रुपए के शेयर बेचे।

## कुलदीप को अंतिम टेस्ट में भी शायद ही अवसर मिले

मैनचेस्टर (एजेंसी)। चाइनामैन स्पिनर कुलदीप यादव को इंग्लैंड दौरे में अब तक जगह नहीं मिली है ओर जिस प्रकार का प्रदर्शन अभी तक स्पिन ऑलराउंडरों रविन्द्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर ने किया है। उसको देखते हुए कुलदीप को अंतिम मैच में भी शायद ही जगह मिले। कुलदीप को टीम में तभी जगह मिल सकती है। जब टीम तीन स्पिनरों के साथ खेले और ऐसी संभावना कम ही है। अब तक इस सीरीज में कुलदीप को बाहर रखे जाने के कारण टीम संतुलन बताया गया। कोच ओर कप्तान ने माना है कि कुलदीप काफी अच्छे कलाई के स्पिनर हैं परन्तु तेज पिचों को देखते हुए उन्हें अवसर नहीं मिल पा रहा। सुंदर को उनपर वरीयता इसलिए दी जा रही है क्योंकि सुंदर गेंदबाजी के साथ ही अच्छी बल्लेबाजी भी करते हैं। मैनचेस्टर में उन्होंने शतक लगाकर रविन्द्र जडेजा के साथ लंबी साझेदारी की थी। ओल्ड ट्रैफर्ड के मैदान पर डेब्यू करने वाले अंशुल कंबोज कुछ खास नहीं कर पाये। वहीं ऑलराउडर शार्दुल ठाकुर को केवल 11 ओवर ही गेंदबाजी दी गयी। इसके बाद भी कुलदीप की टीम में जगह नहीं बन पाना हैरानी की बात है। वहीं इंग्लैंड के बल्लेबाजों का रिकार्ड देखा जाये तो कलाई के स्पिनरों के सामने वे सहज नहीं रहते उसके बाद भी कुलदीप को अब तक इस सीरीज में बहार रखा गया है। इस सीरीज़ से पहले कुलदीप ने कहा था कि स्पिनरों के साथ एक खास बात होती है बल्लेबाज़ों को पढ़ना जो समय और अनुभव के साथ आती है. मुझे लगता है कि मैंने बल्लेबाज़ों की अगली चाल को समझने की क्षमता विकसित कर ली है, खासकर टी20 खेलने के अपने अनुभव की वजह से, जहाँ यह ज़रूरी है. और यह कौशल निश्चित रूप से लाल गेंद वाले क्रिकेट में भी मेरी रणनीति बनाने में मदद करेगा हालांकि इसके बाद भी टीम प्रबंधन कुछ सुनने और समझने को तैयार नहीं ।

## जब विराट को हटाकर पार्थिव को कप्तान बनाने जा रही थी आरसीबी - मोइन

**लंदन ( एजेंसी )।** इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर मोइन अली ने कहा है कि आईपीएल टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) साल 2019 में कप्तानी में बदलाव करने जा रही थी। मोइन के अनुसार तब आरसीबी विराट कोहली को कप्तानी से हटाकर उनकी जगह पर विकेटकीपर बल्लेबाज पार्थिव पटेल को ये जिम्मेदारी सौंपना चाहती थी। मोइन ने इसमें सफल न होने का भी कारण बताया है। इस पूर्व स्पिनर के अनुसार आरसीबी 2019 के सत्र में 14 मैचों में से केवल पांच मैच ही जीत पाई थी और अंक तालिका में सबसे नीचे रही थी। पार्थिव ने हालांकि 26.64 की औसत और 139.18 के स्ट्राइक-रेट से कुल 373 रन बनाए थे और वह साल 2020 में भी आरसीबी में शामिल थे पर , आरोन फिंच और

देवदत्त पडिक्कल के पारी शुरु करने से उन्हें एक भी मैच खेलने का अवसर नहीं मिला था। एबी डिविलियर्स को विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी दे दी। इसके बाद पार्थिव ने उसी साल दिसंबर में संन्यास ले लिया और फिर कभी आईपीएल नहीं खेला। मोइन ने कहा, हां, मुझे लगता है कि वो कप्तानी की कतार में थे। आखिरी साल में, जब गैरी कर्स्टन थे, मुझे लगता है पहले साल के बाद पार्थिव कप्तान बनने की कतार में थे। उनके पास एक जबरदस्त क्रिकेटिंग दिमाग था।

उस समय यही चर्चा थी। मुझे नहीं पता कि क्या हुआ या बात क्यों नहीं बनी, पर मुझे भरोसा है कि इस भूमिका के लिए उनके नाम पर गंभीरता से विचार किया गया था। विराट ने लगातार खराब सत्र के बाद साल 2021 में आरसीबी की कप्तानी छोड़ दी थी। वहीं इसके बाद दक्षिण अफ्रीका के फाफ डुप्लेसिस ने अगले तीन साल तक कप्तान रहे थे पर साल 2025 में उनको टीम में बरकरार नहीं रखा गया। वहीं साल 2025 में रजत पाटीदार टीम के कप्तान बने और टीम विजेता बन गयी।

## सोने की कीमतों में तेजी, चांदी में गिरावट

**नई दिल्ली ( एजेंसी )।** भारतीय बाजार में बुधवार को जहां सोने की कीमतों में उछाल आया। वहीं चांदी के वायदा भाव में गिरावट दर्ज की गयी है। घरेलू बाजार में सोने की कीमतें 98,300 रुपये, जबकि चांदी 1,13,700 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार सोने और चांदी के शुरुआती कारोबार में तेजी दर्ज की गयी। आज सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त अनुबंध आज 239 रुपये बढ़कर 98,500 रुपये पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 98,261 रुपये था। वहीं एक समय यह अनुबंध 44 रुपये की तेजी के साथ 98,305 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इसने 98,620 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 98,257 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया।

# गंभीर ने खिलाड़ियों से कहा , अंतिम टेस्ट जीतकर सीरीज में बराबरी हासिल करें

## भारतीय उच्चायोग में टीम इंडिया की प्रमुख हस्तियों से हुई मुलाकात

**लंदन ( एजेंसी )।** भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने ओवल में 31 जुलाई से मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले पांचवे टेस्ट मैच से पहले टीम का उत्साह बढ़ाते हुए कहा है कि हमारे पास सीरीज में बराबरी का अंतिम मौक है जिसका लाभ हमें उठाना है। गंभीर ने चौथे टेस्ट में टीम के शानदार प्रदर्शन की जमकर सराहना भी की। मैनचेस्ट में चौथे टेस्ट के अंतिम दिन रविन्द्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर ने शतक लगाकर भारतीय टीम को हार से बचा लिया था। पांचवां टेस्ट खेलेंगे, से पहले भारतीय टीम ने लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग पहुंची। इस दौरान खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ की अधिकारियों और गणमान्य व्यक्तियों से मुलाकात हुई। इसमें सभी ने उन्हें मिले समर्थन के लिए आभार जताया। गंभीर ने इस कार्यक्रम में भारत-

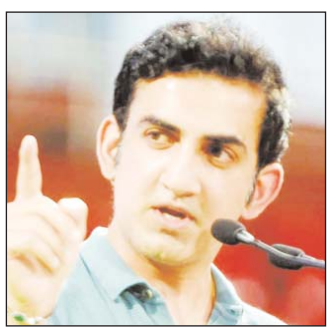

इंग्लैंड मुकाबलों के ऐतिहासिक महत्व को भी बताया। गंभीर ने कहा, इंग्लैंड का दौरा हमेशा ही रोमांचक और चुनौतीपूर्ण रहा है। दोनों देशों के बीच का क्रिकेट इतिहास बेहद अहम है। हमें हर बार ब्रिटेन दौरे पर आपार समर्थन मिला है। इंग्लैंड ने इस सीरीज का पहला मैच पांच विकेट से जीता था, जिसके बाद भारतीय टीम ने दूसरे मुकाबले को 336 रन से जीता। वहीं इंग्लैंड ने तीसरे टेस्ट को 22 रन के करीबी अंतर से जीतकर सीरीज में एक बार फिर 2-1 से बढ़त हासिल कर ली जबकि चौथा टेस्ट बराबरी पर रहा। गंभीर ने कहा, पिछले पांच हफ्ते दोनो ही टीमों के लिए बेहद रोमांचक रहे। मेरा मानना है कि जिस तरह का क्रिकेट खेला गया, उसने हर क्रिकेट प्रेमी खुश है। दोनों टीमों ने जबरदस्त खेल दिखाया। अब भारत के पास अंतिम टेस्ट जीतकर ये सीरीज 2-2 से बराबरी पर समाप्त करने का अंतिम अवसर है। साथ ही कहा कि अंतिम टेस्ट को लेकर टीम को मिलकर प्रयास करना होगा। साथ ही कहा कि हमारे पास एक सप्ताह का समय है जिसमें हम बराबरी हासिल कर देश का गौरव बढ़ा सकते हैं।

## गांगुली ने फ्रैक्चर के बाद भी ऋषभ के बल्लेबाजी करने को साहसिक बताया

**कोलकाता ( एजेंसी )।** पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने पैर में फ्रैक्चर के बाद भी इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट में साहसिक बल्लेबाजी के लिए विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत की जमकर प्रशंसा की है। ऋषभ ने पैर में फ्रैक्चर के बाद भी मैनचेस्टर टेस्ट में बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतकीय पारी खेली थी। जिससे भारतीय टीम पहली पारी में बड़ा स्कोर बनाने में सफल रही थी। ऋषभ ने इस दौरे में दो शतकों के साथ ही सात पारियों में 479 रन बनाए। उन्होंने लॉर्ड्स टेस्ट में हाथ में चोट लगने के बाद भी 74 रनों की पारी खेली थी। उनके इस प्रदर्शन से ही भारतीय टीम को पांच मैचों की सीरीज बराबर करने की प्रेरणा मिली है जिसमें अभी भारतीय टीम 1-2 से पीछे है। गांगुली ने कहा, वह एक बहुत अच्छा टेस्ट खिलाड़ी है। वह चोटिल है और उसे फिट होने में समय लगेगा। उसने सीरीज में अब तक शानदार बल्लेबाजी की है। इस क्रिकेटर को मैनचेस्टर में भारत की पहली पारी के दौरान चोट लगी थी, जब इंग्लैंड के तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स की एक खतरनाक यॉर्कर उनके पैर में लगी थी। गेंद उनके बल्ले से टकराकर उनके पैर में लग गयी थी। जिसके बाद वह रिटायर्ड हर्ट हुए थे। इसके बाद भी उन्होंने दूसरे दिन फ्रैक्चर के बाद भी 54 रनों की पारी खेली।

# पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में मारपीट, 2 लोग घायल, 1 की हालत गंभीर

**मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)।** शाहपुर थाना क्षेत्र के ब्रह्मागढ़ गांव में मंगलवार शाम पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट हो गई। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है। मारपीट में दो लोग घायल हुए हैं, जिनमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। दामोदरगढ़ निवासी सत्यालाल कोल ने बताया कि जिस समय घटना घटी, उस समय वहां मौजूद व्यक्ति हमारे रिश्तेदार हैं, जिन्हें हम बाबू कहते हैं और वे हमारे ही गांव के निवासी हैं।

प्रभुलाल कोल भी वहीं थे और बच्चों को देख रहे थे। इसी दौरान एक व्यक्ति वहां आया, जो अत्यधिक नशे में था। वह हमारे गांव से लगभग तीन किलोमीटर दूर का रहने वाला है। उसकी बातचीत होने लगी। हम समझ नहीं पा रहे थे कि क्या हो रहा है, इसलिए स्थिति को जानने का प्रयास कर रहे थे। तभी वह व्यक्ति गाली-गलौज करने लगा और उसी समय दो अन्य लोग लाठियां लेकर वहां आ गए। हमने बीच-बचाव करने का प्रयास किया, लेकिन तभी एक व्यक्ति ने पत्थर उठाकर हमारी ओर दौड़ लगा दी, जिससे हम डरकर चुप हो गए। इसके बाद दो और व्यक्ति और वहां आ गए, और तीनों ने मिलकर हमारे सामने एक व्यक्ति के साथ बुरी तरह मारपीट की। उसे सिर में तीन बार लाठियां मारी गईं, जिससे वह वहीं गिर गया।

इस घटना में प्रभु कोल गंभीर रूप से घायल हुए हैं। उन्हें मऊगंज में प्राथमिक उपचार के बाद संजय गांधी अस्पताल, रीवा रेफर किया गया है। वहीं सुरेश यादव का उपचार सिविल अस्पताल मऊगंज में जारी है। पुलिस ने इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली है और जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच पहले से चली आ रही रंजिश के कारण यह घटना हुई है। प्रधान आरक्षक राजेंद्र सिंह ने जानकारी दी कि राजकुमार साकेत और अजय साकेत, जो आपस में चचेरे भाई हैं, के बीच लम्बे समय से भूमि विवाद चला आ रहा है। इस विवाद के चलते दोनों पक्षों में अक्सर वाद-विवाद और गाली-गलौज की स्थिति बनी रहती थी।

बीते शाम को भी दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हुई, जो आगे चलकर मारपीट में तब्दील हो गई। इस झड़प में कमलेश साकेत के सिर में गंभीर चोट आई है। घटना में संलिप्त राजकुमार साकेत, अजय साकेत और प्रभु कोल के विरुद्ध मारपीट का केस दर्ज किया गया है। मामले की विवेचना प्रचलन में है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विक्रम सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि दामोदरगढ़ के पास रहने वाले प्रभु दयाल कोल के साथ मारपीट की घटना हुई है। इस मामले में पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 115 और 296 के तहत मामला पंजीबद्ध कर लिया है। आगे विवेचना जारी है और जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके अनुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

## मऊगंज में चलाया गया 'नशे से दूरी है जरूरी' अभियान, जगदीश ठाकुर ने दिलाई नशा मुक्त समाज की शपथ

**मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)।** मध्य प्रदेश पुलिस विभाग द्वारा 15 जुलाई से 30 जुलाई तक चलाए जा रहे विशेष जनजागरूकता अभियान नशे से दूरी है जरूरी का आज ग्राम फूल करण सिंह में अभियान चलाया गया इस अवसर पर थाना प्रभारी नईगढ़ी एवं स्टाफ, ब्लॉक बीईओ एवं प्राचार्य पीएम शासकीय उत्तर माध्यमिक विद्यालय फूल करण सिंह एवं समस्त शिक्षको की उपस्थिति में जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान थाना प्रभारी नंईगढी जगदीश ठाकुर ने उपस्थित छात्र-छात्राओं को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई और कहा नशा एक ऐसी लत है जो धीरे-धीरे इंसान की सोच, शरीर और समाज को खत्म कर देती है। हमारा उद्देश्य है कि मऊगंज जिला नशा मुक्त बने और हम सब इसके लिए मिलकर प्रयास करें।

इस अभियान में विद्यालय पीएम शासकीय उत्तर माध्यमिक विद्यालय फूल करण सिंह के शिक्षकगण एवं स्थानीय सरपंच की सक्रिय भागीदारी भी देखने को मिली। समाज को नशे के खिलाफ संदेश दिया। इस अवसर पर सभी ने एक स्वर में संकल्प लिया कि हम स्वयं भी नशे से दूर रहेंगे और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करेंगे।यह अभियान न सिर्फ पुलिस विभाग की एक पहल थी, बल्कि समाज को सही दिशा में ले जाने का प्रयासकिया गया।

## शारदा प्रिज्म जॉनसन लेडीज क्लब ने मनाया हरियाली तीज उत्सव

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** शारदा प्रिज्म जॉनसन लेडीज क्लब की अध्यक्ष सुनीता सिंह की अध्यक्षता में सात फेरे सात वचन थीम के अंतर्गत हरियाली तीज का शुभ पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। क्लब की सदस्याएं सुंदर परिधानों में सज धज कर आई। दूल्हा दुल्हन ने सात फेरों के साथ सात वचनों का जीवन से जुड़े जिम्मेदारीयों को निभाते हुए एक नृत्य नाटिका प्रस्तुत किया। इस अवसर पर सखियों द्वारा शादी के पहले और शादी के बाद एवं कजरी गीत पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया गया। सभी ने हाउजी गेम खेलने के साथ एक से बढ़कर एक छंद बोला और झूले का आनंद लिया। उपरोक्त जानकारी प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड के एजीएम सीएसआर एंड जनसंपर्क देवेन्द्र मिश्रा ने दी।

## मऊगंज में यूरिया-डीएपी खाद नहीं, घंटों लाइन में खड़े रहे किसान

### वितरण केंद्र पर धक्का-मुक्की, बुलाई पड़ी पुलिस

**मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)।** जिले में यूरिया खाद की भारी किल्लत से किसान परेशान हैं। प्राथमिक कृषि समितियों से लेकर सहकारी विपणन संघ मर्यादित भंडारण केंद्र तक स्थिति बिगड़ती जा रही है। किसान घंटों कतारों में खड़े रहने के बावजूद खाली हाथ लौट रहे हैं। धान की बुआई के मौसम में यह खाद संकट किसानों के लिए बड़ी समस्या बन गया है। बुधवार को मऊगंज भंडारण केंद्र पर हालात तब बिगड़ गए जब सैकड़ों किसानों की भीड़ ने अचानक केंद्र पर पहुंचकर हंगामा किया।

**भीड़ बढ़ती देख पुलिस को बुलाना पड़ा:** भीड़ और गुस्से के माहौल में धक्का-मुक्की और झड़प की स्थिति बन गई। हालात को नियंत्रित करने के लिए तहसीलदार बीके पटेल और डायल 100 की टीम को बुलाना पड़ा। तहसीलदार ने दावा किया कि भीड़ नियंत्रित कर ली गई है और खाद का वितरण व्यवस्थित रूप से जारी है।

**सुबह से लाइन में लगे फिर नहीं मिला यूरिया:** हालांकि, किसानों का कहना कुछ और है। नईगढ़ी से आए अर्जुन पटेल ने बताया, वहां खाद नहीं मिली तो मऊगंज आए, लेकिन यहां भी स्थिति वैसी ही है। कतार में खड़े हैं, पर मिलना तय नहीं। हितग्राही राम सजीवन पटेल ने कहा, सुबह से लाइन में हैं, अब तक खाद नहीं मिली। कहा जा रहा है यूरिया उपलब्ध ही नहीं है।

**अधिकारी बोले- यूरिया उपलब्ध नहीं:** प्रशासनिक अधिकारियों ने भी खाद की भारी कमी की पुष्टि की है। अनुविभागीय कृषि अधिकारी रवि सिंह बघेल के अनुसार मऊगंज में यूरिया डबल लॉक में उपलब्ध नहीं है।

**ऑर्गेनिक खाद सीमित मात्रा में उपलब्ध:** गोदाम प्रभारी त्रिभुवन नापित ने बताया कि मऊगंज में यूरिया और डीएपी दोनों का स्टॉक शून्य है। सिर्फ टीएसपी, एसएसपी, पोटाश और ऑर्गेनिक खाद सीमित मात्रा में उपलब्ध हैं। हनुमना और नईगढ़ी क्षेत्र में भी स्थिति गंभीर है। हनुमना में भी यूरिया और डीएपी का स्टॉक शून्य है। नईगढ़ी की स्थिति की जानकारी प्रशासन नहीं दे पाया है। इस संकट के बीच पूर्व विधायक सुखेंद्र सिंह बन्ना ने आरोप लगाया है कि मऊगंज में नकली खाद बेची जा रही है और प्रशासन की नाकामी से किसान ठगे जा रहे हैं।

## सुदर्शन पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल में संपन्न हुआ नशा मुक्ति अभियान

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** सुदर्शन पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल , सतना में नशा मुक्ति अभियान का आयोजन बड़े ही उत्साह के साथ किया गया। इस अभियान का उद्देश्य छात्रों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और समाज में नशा मुक्त वातावरण को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की प्रतिमा में माल्यार्पण कर स्वागत भाषण के साथ हुआ।

कार्यक्रम में संचालक श्री राजकुमार कुशवाहा जी ने छात्रों को संबोधित करते हुए नशा मुक्त जीवन की आवश्यकता और महत्व पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात विद्यार्थियों द्वारा भाषण प्रतियोगिता और पोस्टर मेकिंग जैसी गतिविधियों के माध्यम से नशा मुक्त मध्य प्रदेश का संदेश दिया गया।

अतिथि के रूप में टी.ई श्वेता मौर्य (महिला थाना इंचार्ज सतना म.प्र.) , क्रांति राजौरिया (जिला समन्वयक अधिकारी एन एस एस सतना) , डॉ. लक्ष्मी मोहनानी रिझवानी (गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, बिड़ला हॉस्पिटल) , एवम् प्रियांशु कुशवाहा (बघेली कवि) ने नशे से होने वाले शारीरिक और मानसिक दुष्परिणाम के बारे में विस्तार से बताया और सभी को नशा न करने की शपथ दिलाई।

कार्यक्रम के अंत में शिक्षिका ज्योति गर्ग ने सभी अतिथियों एवम छात्रों का धन्यवाद ज्ञापित किया , कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु संचालिका सुनीता कुशवाहा ने सभी अतिथियों, शिक्षकों एवम सभी छात्रों को बधाई दी!

## घर जमाई न बनने पर साले ने गोली मारी, गंभीर

**मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।** जिले के सेमरिया थाना क्षेत्र के गोदहा पहाड़ में मंगलवार देर रात एक युवक पर जानलेवा हमला हुआ। साले ने अपने जीजा समीम खान (36) को गोली मार दी। गनीमत रही कि गोली छाती की जगह पैर में लगी, जिससे युवक की जान बच गई। वारदात के बाद हमलावरों ने सबूत मिटाने के लिए कार में आग भी लगा दी।

पीड़ित समीम खान ने बताया कि उसकी शादी थाना राजपुर, जिला चित्रकूट में हुई थी। ससुराल पक्ष लगातार उस पर घर जमाई बनने का दबाव बना रहा था। वह करीब 7 महीने तक ससुराल में रह चुका था, लेकिन वापस अपने गांव लौट आया। इसी बात को लेकर विवाद बढ़ता गया। मंगलवार को उसका साला और करीब दर्जनभर लोग उसे पार्टी के बहाने गोदहा पहाड़ ले गए, शराब पिलाई और सुनियोजित तरीके से गोली मार दी।

**पुलिस ने हत्या के प्रयास का केस दर्ज किया:** घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। घायल को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एसडीओपी उमेश प्रजापति ने बताया कि आरोपी युवक को हिरासत में लिया गया है और हत्या के प्रयास की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। हमले की अन्य वजहों की भी जांच की जा रही है।

## शासकीय आईटीआई मनगवां को बाउंड्रीवाल भवन मरम्मत के लिए मिला दो करोड़ तीन लाख रुपए

### जल्द मिलेगा आईटीआई को 2 छात्रावास और 5 ट्रेड का भवन

**मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।** नगर परिषद क्षेत्र मनगवां में स्थित शासकीय आईटीआई मनगवां को अपने भवन में स्थापित हुए 15 वर्ष हो गए दस मार्च दो हजार दस को मलकपुर तालाब के बगल में अपने भवन में संचालित हुई थी तबसे अभी तक किसी भी जनप्रतिनिधि ने आईटीआई का ध्यान नहीं दिया पूरी तरह से भवन जर्जर हो चुका था पहली बार विधायक बनते ही ई.नरेंद्र प्रजापति ने शासकीय आईटीआई मनगवां का भ्रमण किया और स्थिति को देखकर चिंता व्यक्त किया और यह विश्वास भी दिलाया कि पूरा प्रयास कर आईटीआई को नया भवन बाउंड्री वॉल मरम्मत कार्य कराया जायेगा अधिकारियों से बातचीत कर स्टीमेट तैयार कराया गया और अब मरम्मत कार्य बाउंड्री वॉल के लिए राशि मंजूर हो चुकी है नया भवन छात्रावास होना शेष है जिसकी भी राशि अतिशीघ्र उपलब्ध करवाई जाएगी।

रीवा जिला की सबसे अग्रणी आईटीआई मनगवां है जिसमे दस ट्रेड है लगभग चार सौ पचास छात्र है ऐसे में जर्जर भवन में कक्षा संचालित करना कठिन होता है। महाविद्यालय के प्राचार्य ने कहा है कि सबसे पहले मनगवां विधायक ई.नरेंद्र प्रजापति जी का धन्यवाद आभार ज्ञापित करते हैं जिनके प्रयास से संस्था को राशि आवंटित हुई है विधायक जी पहली बार जब संस्था में आए तो मुझे थोड़ा असहज महसूस हुआ था पर उनके विचार को जानने के बाद अच्छा लगा वह खुद मशीनों को चलाकर देखे थे बिजली की समस्या के लिए विभाग को स्वयं निर्देश भी दिए थे और भवन के लिए जो उन्होंने कहा था वह कर दिखाए है ऐसे विधायक ई.नरेंद्र प्रजापति जी को मैं आईटीआई संस्था की तरफ से धन्यवाद आभार ज्ञापित करता हूं अभी जो शेष है उसे भी विधायक जी पूरा करेंगे ऐसा मुझे विश्वास है।

## बुजुर्ग महिला मरीज से अभद्रता, परिजनों के विरोध पर कार्रवाई

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** । एक बुजुर्ग महिला मरीज के साथ अभद्र व्यवहार करने वाले डॉक्टर गौरव त्रिपाठी को नाहर नर्सिंग होम प्रबंधन ने नौकरी से निकाल दिया है। यह कार्रवाई बुधवार को परिजनों द्वारा नर्सिंग होम के बाहर किए गए विरोध प्रदर्शन के बाद की गई। मामला मंगलवार का है जब पेप्टेक सिटी निवासी साधना द्विवेदी अपने बेटे के साथ पेट की परेशानी दिखाने डॉक्टर गौरव के पास आई थीं। उनके पास फाइल की हार्ड कॉपी नहीं थी, इसलिए बेटे ने मोबाइल पर रिपोर्ट दिखाने का प्रयास किया। इस बात से डॉक्टर नाराज हो गए और पहले तो मरीज को देखने से मना कर दिया।

**डॉक्टर पर रिकॉर्ड फाड़ने और धक्का देने के आरोप:** बाद में जब वे तैयार हुए तो तेज आवाज में बात करने लगे। जब बेटे ने इस पर आपत्ति जताई, तो डॉक्टर ने रिकॉर्ड फाड़ दिया और धक्का देने लगे। इसके बाद उनके बंदूकधारी सुरक्षाकर्मी ने महिला से अभद्रता करते हुए उन्हें बाहर निकाल दिया।

**नर्सिंग होम के बाहर धरने पर बैठे परिजन:** इस घटना से आहत होकर बुधवार को महिला के परिजन और समर्थक नर्सिंग होम के बाहर धरने पर बैठ गए।

## स्मार्ट मीटर के खिलाफ धरना प्रदर्शन

**मैहर।** स्मार्ट मीटर के विरोध में पूर्व विधायक नारायण त्रिपाठी के नेतृत्व में हजारों ग्रामीणों और समर्थकों ने घंटाघर चौराहे पर एकत्र होकर सरकार और बिजली कंपनियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस दौरान गुस्साए लोगों ने स्मार्ट मीटर योजना को आम जनता के साथ आर्थिक शोषण करार दिया।नारायण त्रिपाठी ने प्रदर्शन के दौरान स्पष्ट शब्दों में कहा, हम पूरा देश अडानी के हाथ में नहीं जाने देंगे। स्मार्ट मीटर के नाम पर जनता से वसूली की साजिश रची जा रही है, जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हम सब मिलकर इसका विरोध करेंगे और अपने घरों में इन मीटरों को नहीं लगने देंगे।उन्होंने कहा कि ग्रामीण जनता पहले से ही महंगाई और बढ़ते बिजली बिलों से परेशान है। ऐसे में स्मार्ट मीटर लगाने से उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ेगा और बिजली कंपनियों को इसका सीधा फायदा मिलेगा।

## जागरूकता अभियान सतत जारी, कृष्णनगर में आयोजित हुआ कार्यक्रम

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** नगर पालिक निगम सतना के तत्वावधान में इंजी.धर्मेंद्र सिंह परिहार ने सफाई अपनाओ बीमारी भगाओ एवं नशे से दूरी है जरूरी की थीम के साथ जागरूकता अभियान कार्यक्रम कृष्णनगर के अकैडमी हाइट पब्लिक स्कूल में संपन्न किया। कार्यक्रम में सुजाता साबू (प्रिंसिपल), रेनू वर्मा (वाइस प्रिंसिपल), निकिता आहूजा (ब्रांच हेड), पल्लवी पांडे(वीडियो ग्राफी), रूपाली पांडे, अमन त्रिपाठी, महक परवीन, अर्चना लद्धा, स्वाती कापड़ी, जयश्री सेनानी, पल्लवी पांडे, सीमा सुखदानी, स्नेहा गेलानी, वर्षा शुक्ला, प्रीति द्विवेदी, श्वेता भट्ट, नैंसी जैन, गीतांजलि मिश्रा, श्राबनी बनर्जी, रेनू वर्मा तथा सैकड़ो छात्र-छात्राओं ने काफी उत्साह के साथ भाग लिया।

कार्यक्रम में सभी ने स्वच्छता शपथ ली तथा उपस्थित मतदाताओं ने मतदाता शपथ ली।इसके साथ सभी ने नशा मुक्त समाज भ्रष्टाचार मुक्त समाज एवं अपराध मुक्त समाज के प्रयास का भी संकल्प लिया। इंजी.धर्मेंद्र सिंह ने स्वच्छता संबंधी,नशा मुक्त,भ्रष्टाचार मुक्त एवं अपराध मुक्त समाज संबंधित चर्चाओं के साथ-साथ सभी से अनुरोध किया कि सब मिलकर सतना को स्वच्छ सर्वेक्षण में प्रथम स्थान दिलाने में अपना अपना योगदान निभाएं! सभी प्रयास करें कि,कोई न तो रोड में कचरा फेंके,ना ही नालियों में कचरा फेंके ना खाली प्लॉट में कचरा फेंके बल्कि सभी कचरा हरे और नीले डस्टबीन के माध्यम से गीला,सूखा,घरेलू हानिकारक एवं सेनेटरी नैपकिन डायपर अलग-अलग करके चार हिस्से में बांटकर ही कचरा मांगने वाली गाड़ी को ही दें।

कार्यक्रम के अंत में स्कूल प्रिंसिपल सुजाता साबू ने धर्मेंद्र सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया तथा सभी छात्र-छात्राओं ने जोरदार तालियों के साथ धर्मेंद्र सिंह का अभिवादन एवं धन्यवाद किया।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।